वर्ष-08 |अंक-283| पृष्ठ 08| मूल्य 02/-
RNI-MPHIN/2018/75526
दैनिक कालप्रिया
सच वही जो दिखे...
भोपाल, मंगलवार
21
जुलाई 2026
Email.kalpriyanews72@gmail.com
आषाढ़ शुक्ल पक्ष-7, विक्रम संवत् 2083

पेज-6

मुख्यमंत्री ने की गुरु पूर्णिमा महोत्सव आयोजन की तैयारियों की समीक्षा

गुरु पूर्णिमा पर प्रदेश में मनाया जाएगा महर्षि सांदीपनि श्रद्धा पर्व : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुरुजन सदैव पूजनीय है, वंदनीय हैं। गुरु ही हमें गु (अज्ञान के अंधकार) से रु (ज्ञान-विज्ञान की रश्मि/प्रकाश) की ओर ले जाते हैं। गुरु पूर्णिमा अपने गुरुजनों की सेवा, वंदना और उनका आशीर्वाद पाने का प्रमुख उत्सव है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के उद्देश्यों को बढ़ावा देते हुए पुरातन भारतीय ज्ञान परम्परा तथा भारतीय गुरु-शिष्य परम्परा के आदर्शों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाली गुरु पूर्णिमा पर प्रदेशव्यापी महर्षि सांदीपनि श्रृद्धा पर्व का आयोजन किया जाये। इसमें स्कूल शिक्षा, जनजातीय कार्य, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा विभाग के साथ-साथ निजी शिक्षण संस्थानों तथा खेल, नाटक, चित्रकला, संगीत एवं अन्य कला संस्थानों की भी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवारको मध्यप्रदेश विधानसभा के समिति कक्ष क्रमांक-1 में आगामी गुरु पूर्णिमा महोत्सव के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभी प्रदेश में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा चल रहा है। प्रदेश में जितने भी सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण होना शेष है, उनका लोकार्पण गुरु पूर्णिमा से पहले करा लिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि सांदीपनि योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के गुरु थे। उन्होंने तत्समय अमीर और गरीब सभी छात्रों को विद्या दान देकर राष्ट्र भक्ति का परिचय दिया।

संसद सत्र से पहले पीएम मोदी का राहुल पर तंज

56 नहीं, 28 साल के नौजवान बढ़ा रहे देश का मान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं की तारीफ करते हुए कहा कि भारत के युवाओं ने अंतरिक्ष में एक नई यात्रा शुरू की है। उन्होंने बताया कि स्काईरूट स्टार्टअप में काम करने वाली पूरी टीम की औसत उम्र केवल 28 साल है। इन युवाओं ने यह बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा- मैं किसी 56 वर्षीय युवक की बात नहीं कर रहा हूं। मैं देश के उन युवा उद्यमियों की बात कर रहा हूं जिनकी औसत आयु 28 वर्ष है... वे बधाई के पात्र हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि पिछले एक महीने में देश ने कई मील के पत्थर हासिल किए हैं, जिससे हर नागरिक गर्व से भर गया है। पिछले साल मानसून सत्र से ठीक पहले एक भारतीय नागरिक अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे थे और हाल ही में एक युवा भारतीय स्टार्टअप ने अंतरिक्ष में बड़ी सफलता हासिल की है।

वैश्विक संकट के बीच मजबूत अर्थव्यवस्था

पीएम मोदी ने वैश्विक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध का खतरा बना हुआ है। पश्चिम एशिया के संघर्ष ने भारत जैसे उन देशों के लिए बड़ा संकट पैदा किया जो ऊर्जा के लिए दूसरों पर निर्भर हैं। इसके कारण पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, उर्वरक और रसायनों को लेकर कई बाधाएं आईं।

रिफॉर्म एक्सप्रेस और नए प्रोजेक्ट्स

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के %रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार होने के कारण ही युवा इतना साहस दिखा पा रहे हैं। हाल ही में राजस्थान में एक बड़ी तेल रिफाइनरी देश को समर्पित की गई। कुछ हफ्ते पहले तीसरे सेमीकंडक्टर प्लांट और एक ग्रीन हाइड्रोजन ट्रेन की शुरुआत की गई। भारत की हाइड्रोजन ट्रेन में सबसे शक्तिशाली इंजन है.

विधानसभा में यूसीसी विधेयक पेश

कांग्रेस बोली- चोरी-छिपे लाए बिल, आज भी करेंगे विरोध; भाजपा ने कहा-प्रदर्शन से नहीं रूकेगा यूसीसी

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को सरकार ने समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 सदन में पेश कर दिया। इस पर मंगलवार को चर्चा होगी, लेकिन पहले ही दिन इसे लेकर सत्ता और विपक्ष आमने-सामने आ गए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बिल को अनुपूरक कार्यसूची में चोरी-छिपे जोड़ा गया और मंगलवार को भी विरोध जारी रखने का ऐलान किया। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि यूसीसीविधेयक पर मंगलवार को चर्चा कराई जाएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी।

कांग्रेस विस्तार से रखेगी अपनी बात

कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने आरोप लगाया कि ष्टष्ट विधेयक पहले सदन के पटल पर रखा गया और बाद में उसे अनुपूरक कार्यसूची में जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इसका कड़ा विरोध किया है और मंगलवार को भी विरोध जारी रहेगा। मसूद ने बताया कि उन्होंने विधेयक पर संशोधन का प्रस्ताव भी दिया है। उनका कहना है कि अध्यक्ष यदि अनुमति देंगे तो कांग्रेस इस पर विस्तार से अपनी बात रखेगी। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को सरकार ने समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 सदन में पेश कर दिया। इस पर मंगलवार को चर्चा होगी, लेकिन पहले ही दिन इसे लेकर सत्ता और विपक्ष आमने-सामने आ गए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बिल को अनुपूरक कार्यसूची में चोरी-छिपे जोड़ा गया और मंगलवार को भी विरोध जारी रखने का ऐलान किया।

विरोध से यूसीसी नहीं रूकेगा

भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कांग्रेस के विरोध पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस विरोध करती रहे, इससे यूसीसी लागू होने से नहीं रुकेगा। उन्होंने दावा किया कि यह कानून महिलाओं के हित में है और बहुविवाह जैसी प्रथाओं पर रोक लगाने का काम करेगा। वहीं कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा कि प्रदेश को यूसीसी नहीं, बल्कि यूनिफॉर्म एजुकेशन कोड की जरूरत है, ताकि सभी बच्चों को समान शिक्षा मिल सके। उधर, विधानसभा के बाहर 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू करने और 13 प्रतिशत होल्ड पदों को मुक्त करने की मांग को लेकर ओबीसी महासभा के प्रदर्शनकारियों ने विधानसभा घेराव का प्रयास किया।जमीन खरीदी, किसानों को खाद-बीज की उपलब्धता समेत अन्य मुद्दों पर भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई।

संपत्ति के उत्तराधिकार में समान अधिकार

लिंग-तटस्थ अधिकार : विवाहित अथवा अविवाहित बेटा-बेटियों को संपत्ति के उत्तराधिकार में समान अधिकार रहेंगे। मृतक की संपत्ति में विधवाओं और विधुरों के साथ भी समान व्यवहार होगा। जीवित माता-पिता का भी मृतक बच्चे की संपत्ति में समान अधिकार होगा।

बिना वसीयत इस तरह बंटेगी संपत्ति : बिना वसीयत मरे व्यक्ति की संपत्ति को तीन वर्गों श्रेणी-1, श्रेणी-2 और अन्य रिश्तेदार में बांटा जाएगा।

हत्या का दोषी अधिकार से वंचित : यदि कोई व्यक्ति संपत्ति के मालिक की हत्या या उसमें मदद का दोषी है, तो वह विरासत से हमेशा के लिए अयोग्य हो जाएगा।

वसीयत की पूर्ण स्वतंत्रता: कोई भी स्वस्थ दिमाग का वयस्क अपनी शत-प्रतिशत संपत्ति वसीयत के माध्यम से किसी को भी दे सकता है।

लिव इन रिलेशनशिप में महिला-संतान को सुरक्षा कवच

अनिवार्य रजिस्ट्रेशन: लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों के लिए एक महीने के भीतर रजिस्ट्रार के पास 'लिव-इन रिलेशनशिप का बयान' जमा करना कानूनी रूप से अनिवार्य होगा। दोनों की उम्र न्यूनतम 18 वर्ष होनी चाहिए।

माता-पिता और पुलिस को सूचना : लिव इन संबंधों में यदि महिला या पुरुष 21 साल से कम उम्र का है, तो लिव-इन के शुरू होने और खत्म होने की जानकारी उनके माता-पिता/अभिभावकों को भेजी जाएगी।

कांग्रेस विस्तार से रखेगी अपनी बात

कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने आरोप लगाया कि ष्टष्ट विधेयक पहले सदन के पटल पर रखा गया और बाद में उसे अनुपूरक कार्यसूची में जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इसका कड़ा विरोध किया है और मंगलवार को भी विरोध जारी रहेगा। मसूद ने बताया कि उन्होंने विधेयक पर संशोधन का प्रस्ताव भी दिया है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

अनुभवी अधिकारी के नेतृत्व में हो जांच

नई दिल्ली। अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं से मिले दान में कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में अदालत ने साफ संकेत दिया है कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और पेशेवर तरीके से होनी चाहिए। इसी को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से विशेष जांच टीम (एसआईटी) के पुनर्गठन पर आवश्यक निर्देश लेने को कहा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस पूरे मामले को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए और जांच अपने तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ अयोध्या राम मंदिर में मिले दान के कथित गबन की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। अदालत ने इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी से जांच की स्थिति रिपोर्ट मांगी थी। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि आदेश के अनुपालन में स्थिति रिपोर्ट दाखिल कर दी गई है। जांच जारी है और अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों को जंतर-मंतर से हटाया

कॉकरोच जनता पार्टी बोली- पुलिस ने निहत्थों को पीटा; संसद मार्च में भी लाठीचार्ज, आंसू गैस छोड़ी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलनकारियों को जंतर-मंतर से हटा दिया गया है। पुलिस ने मंच खाली करा लिया है और टेंट भी निकाल दिए हैं। प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर के बाद कनॉट प्लेस से भी खदेड़ दिया गया है। इस दौरान पुलिस ने जबरदस्त लाठीचार्ज भी किया। उधर, सीजेपी का दावा है कि अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया गया है। हालांकि, बाद में पुलिस और ष्टछ्वक्कदोनों ने इस बात से इनकार कर दिया। सोमवार सुबह 8 बजे से शुरू हुए प्रदर्शन में पुलिस के लाठीचार्ज और झड़प में कई प्रदर्शनकारी घायल हो गए। मामला तब बढ़ गया, जब आंदोलनकारी सुबह 10 बजे बैरिकेड तोड़कर पार्लियामेंट की तरफ बढ़े। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इसके बाद प्रदर्शनकारी संसद के करीब पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों ने संसद में घुसने की कोशिश की। इसे देखते हुए संसद की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मेन गेट को बंद कर दिया गया। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे।

प्रदर्शनकारियों से धरना खत्म करने की अपील की

आज सुबह पहली बार प्रदर्शनकारियों की ओर से सरकार के साथ बातचीत करने का प्रस्ताव आया और सुबह 11:50 से हमारी बातचीत जारी है। सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मुलाकात हुई। उनके डेलीगेशन के साथ विस्तार से पहले मौखिक चर्चा हुई और उनके द्वारा लगभग 4 बजे मुझे लिखित याचिका दी गई।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया

सूत्रों ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों को राष्ट्रीय राजधानी में अलग-अलग जगहों पर ले जाया जा रहा था - प्रदर्शन वाली जगह से दूर - ताकि वे दोबारा इकट्ठा न हो सकें और कानून-व्यवस्था में खलल न डालें।एक सूत्र ने बताया कि चेतावनी देने के बाद उन्हें छोड़ दिया जाएगा। साथ ही, पुलिस हिरासत में लिए गए लोगों के बैकग्राउंड की जांच करेगी ताकि यह पता चल सके कि क्या उनमें से किसी का पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को केंद्र से अपील की कि वे प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज का आदेश देने के बजाय युवाओं की बात सुनें। एक्स पर एक वीडियो संदेश में, आम आदमी पार्टी नेता ने सरकार से अहंकार छोड़ने और युवाओं की बात सुनने का आग्रह किया।

लगेगी ऑटोमेटेड कैरेट मीटर मशीन

महाकाल मंदिर में अब होगी सोने-चांदी की शुद्धता की जांच

उज्जैन, एजेंसी

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में दान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अब मंदिर में दान स्वरूप प्राप्त होने वाले सोने और चांदी के आभूषणों की शुद्धता कैरेटमीटर मशीन से जांची जाएगी। सबसे खास बात यह है कि दानदाता की मौजूदगी में ही धातु की शुद्धता की जांच होगी, जिससे दान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहेगी। मंदिर समिति के अनुसार कैरेटमीटर मशीन एक-दो दिन में मंदिर में स्थापित कर दी जाएगी। इसके बाद दान काउंटर पर प्राप्त होने वाले सोने-चांदी के आभूषणों की तत्काल जांच कर उनकी शुद्धता का निर्धारण किया जाएगा। अभी तक मंदिर में दान के रूप में प्राप्त आभूषणों के बारे में प्रथम दृष्टया सोने जैसा या चांदी जैसा लिखकर दर्ज किया जाता था। शुद्धता की तत्काल वैज्ञानिक जांच की व्यवस्था नहीं होने से वास्तविक गुणवत्ता का पता बाद में चलता था। नई मशीन लगने के बाद यह प्रक्रिया अधिक सटीक और प्रमाणिक हो जाएगी। मंदिर समिति ने यह निर्णय देश के कई प्रमुख मंदिरों में दान के नाम पर नकली या कम शुद्धता वाले सोने-चांदी के आभूषण मिलने के मामलों को देखते हुए लिया है। समिति का मानना है कि कैरेटमीटर मशीन से जांच होने पर दानदाता का विश्वास और मजबूत होगा तथा मंदिर में दान प्राप्ति की प्रक्रिया भी पारदर्शी तथा प्रामाणिक बनी रहेगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

टिन्नू के ठिकानों पर छापा, कार और महंगी बाइक बरामद

अयोध्या, एजेंसी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले के आरोपी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और मनीष यादव के ठिकानों पर पुलिस ने शनिवार की देर रात छापा मारा। इस दौरान टिन्नू की एक कार और महंगी बाइक बरामद हुई है। पूछताछ के दौरान कुछ जमीनों की जानकारी भी पुलिस के हाथ लगी है। पूछताछ के बाद रविवार रात लगभग 10 बजे 39 घंटे की रिमांड पूरी होने के बाद दोनों को वापस जिला जेल में शिफ्ट कर दिया गया। रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और उसके भतीजे मनीष यादव को पुलिस कस्टडी रिमांड पर शनिवार की सुबह लगभग आठ बजे बाहर निकाला गया है। तभी से उसे पुलिस लाइन स्थित परिसर में रखकर लंबी पूछताछ की गई थी। दिन भर हुई पूछताछ के बाद टिन्नू ने चढ़ावा चोरी के पैसों से लग्जरी कार और एक महंगी बाइक खरीदने की पुष्टि की। सूत्रों के अनुसार देर रात लगभग दो बजे पुलिस टीम उसे लेकर उसके दुर्गापुरी स्थित मकान पर गई।

टिन्नू-मनीष ने बड़े पैमाने पर स्वीकारी अनियमितता

सूत्रों के अनुसार मनीष ने टिन्नू के इशारे पर ही चोरी शुरू करने की बात कही। वहीं, टिन्नू ने लंबे समय से अनियमितता करने की बात स्वीकारी। उसने इन्हीं अनियमितताओं के पैसे से संपत्तियां बनाने की बात कही। कुछ जमीनों में भी निवेश की बात स्वीकारी है।

हिमाचल में 4 जगह बादल फटने से अफरा-तफरी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के चंबा और लाहौल स्पीति में आज (सोमवार को) दोपहर बाद चार जगह बादल फटने से अफरा-तफरी मच गई। चंबा के उदीन और थांदल क्षेत्रों में बादल फटने के बाद नालों में अचानक बाढ़ आ गई। उदीन नाले अचानक वाटर लेवल बढ़ने से 11 श्रमिक फंस गए। जिन्हें सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। स्थानीय लोगों की कड़ी मशक्कत और नाले का वाटर लेवल कम होने के बाद तीनों मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला।

भारी बारिश का रेड अलर्ट

राज्य के अन्य भागों में भी सुबह से ही बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने चंबा, कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में आज भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी कर रखा है। अगले कल इन इन चार जिलों के अलावा कुल्लू में रेड अलर्ट की चेतावनी दे रखी है। इस दौरान निचले इलाकों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी दी गई है।

आईआईटीएम का शोध: किसानों व खेती पर मंडराया 'सूखे' का नया संकट

बरसने से पहले गायब हो रहा 25 प्रतिशत पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)

देशभर में इस साल कमजोर मानसून ने किसानों से लेकर आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम वैज्ञानिक भी इसे लेकर लगातार चेतावनी जारी कर रहे हैं। कम बारिश और मानसून की बेरुखी को लेकर एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। पुणे के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मीटियोरोलॉजी (आईआईटीएम) के एक शोध में खुलासा हुआ है कि मानसून के दौरान आसमान से बरसने वाला करीब एक चौथाई यानी 25 प्रतिशत पानी जमीन पर गिरने से पहले ही हवा में भाप बनकर उड़ जाता है।

आसमान में ही उड़ जाता है बारिश का पानी

आईआईटीएम की शोध के अनुसार बादलों से गिरने वाली बारिश का एक बड़ा हिस्सा जमीन पर पहुंचने से पहले ही 'सब-क्लाउड लेयर' यानी बादलों के नीचे की परत में भाप बन जाता है। यह सटीक औसत वाष्पीकरण 23 प्रतिशत है। लेकिन यह आंकड़ा हर दिन बदलता है। शोध के अनुसार वाष्पीकरण न्यूनतम 4 प्रतिशत से लेकर अधिकतम 61 प्रतिशत तक दर्ज किया गया। अगर 45 प्रतिशत से अधिक वाष्पीकरण वाले चार चरम दिनों को हटा दिया जाए, तो यह औसत लगभग 18 प्रतिशत बैठता है।

कैसे मापा गया वाष्पीकरण?: यह पहली बार था, जब बारिश के पानी के वाष्पीकरण को मापा गया हो। शोध में वैज्ञानिकों ने बारिश और हवा की वाष्प में मौजूद हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के स्टेबल आइसोटॉप्स का विश्लेषण किया और बारिश की बूंदों के विकास को ट्रैक करने के लिए 'बिलो क्लाउड इंटरेक्शन मॉडल (बीसीआईएम)' का इस्तेमाल किया।

बारिश हवा में क्यों और कैसे सूखती है?: शोध कहता है कि वाष्पीकरण तीन मुख्य कारकों पर निर्भर करता है। बूंदों का आकार, हवा का तापमान और आर्द्रता। जब तापमान ज्यादा हो, हवा में नमी कम हो और बारिश की बूंदों का आकार छोटा हो, तो पानी सबसे अधिक हवा में उड़ता है। हल्की बारिश में वाष्पीकरण का असर सबसे ज्यादा होता है। क्योंकि हल्की बारिश में बूंदों का आकार काफी छोटा होता है।

देश में बारिश की कमी 19 प्रतिशत तक पहुंची: जुलाई की शुरुआत में व्यापक बारिश के बाद देश में बारिश का घाटा कम होकर 14 प्रतिशत तक आ गया था, लेकिन पिछले कुछ दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य और दक्षिण भारत में बारिश में कमी आने से यह आंकड़ा फिर से बढ़ गया है।

संक्षिप्त समाचार

चित्रकूट को मिलेगा 100 बिस्तर का नवीन अस्पताल

सतना। चित्रकूट विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार ने जानकारी देते हुए बताया कि मोबाइल पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उन्हें बधाई देते हुये बताया कि उनके सतत प्रयासों और मांग पर विचार करते हुये उन्होंने चित्रकूट में एक 100 बिस्तरों का शासकीय अस्पताल देने का निर्णय लिया है। जो कि अगली कैबिनेट बैठक में अनुमोदित कर दिया जायेगा। इस अवसर पर विधायक गहरवार ने चित्रकूट क्षेत्र की जनता को बधाई दी और मुख्यमंत्री का तहे दिल से आभार व्यक्त किया। चित्रकूट में हर वर्ष 3 से 4 करोड़ श्रद्धालु आते हैं जिससे आपातकाल एवं स्वास्थ्य सुविधाओं पर अत्यधिक दबाव रहता है जो एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की क्षमता के बाहर है। स्थानीय स्तर पर लोगों को छोटी.मोटी बीमारीए सर्जरी एवं दुर्घटनाओं पर भी अभी तक मरीजों को सतनाए बांदा या प्रयागराज रेफर कर दिया जाता था। इस 100 बिस्तरों वाले अस्पताल से अब इलाज बेहतर और आसान हो जायेगा जिससे चित्रकूट के आस पास के क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं पर एक अच्छा असर दिखेगा।

मधुर फुहार मेले का समापन

सतना। इनरव्हील क्लब सतना द्वारा आयोजित मधुर फुहार दो दिवसीय मेले का समापन बड़े हर्ष के साथ संपन्न हुआ। मेले में सतना के अलावा आसपास के शहरों से बड़ी संख्या में आईं महिला उद्यमियों ने अपने स्टॉल से सभी का मन मोह लिया और सतना की बहनों ने भी बड़े उत्साह से मेले का आनंद लिया और अंत में क्लब की तरफ से सभी स्टॉल धारकों को सम्मानित करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया। इनरव्हील क्लब सतना की प्रेसिडेंट सविता गोयल एवं नेहा अग्रवाल के नेतृत्व में आयोजित इस दो दिवसीय मेले में सतना के साथ-साथ जैतवारा, कटनी, रीवा, नागौद और बनारस से आए लगभग 35 स्टॉल धारकों ने अपने आकर्षक एवं विविधतापूर्ण स्टॉल लगाए। मेले में महिलाओं द्वारा निर्मित हस्तशिल्प, गृह सज्जा सामग्री, परिधान, आभूषण, खाद्य उत्पाद एवं अन्य स्वदेशी वस्तुएं लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं।

[अलर्ट] बादलों की गड़गड़ाहट व बिजली गिरने की संभावना तो बंद कर दें मोबाइल फोन

जिले में वज्रपात की घटनायें बढ़ा रहीं चिंता, सावधानी बरतने निर्देश

नगर संवाददाता ■ सतना

बारिश के दौरान यदि आप घर के अंदर हैं और बादलों की गड़गड़ाहट सुनाई देती है तो तत्काल सभी इलेक्ट्रिक एवं इलेक्ट्रानिक उपकरणों के प्लग निकाल दें। केवल स्विच ऑफ करने से काम नहीं चलता। डिस्कनेक्शन जरूरी है। खिड़कियां एवं दरवाजे बंद कर दें। खुले बरामदे और छत पर ना जाएं। ऐसी हर चीज से दूर रहें जहां करंट आने की संभावना है। रबर की स्लीपर या प्लास्टिक की चप्पल पहने। धातु से बने पाइप, नल, फव्वारा, वॉश बेसिन आदि के संपर्क से दूर रहे।

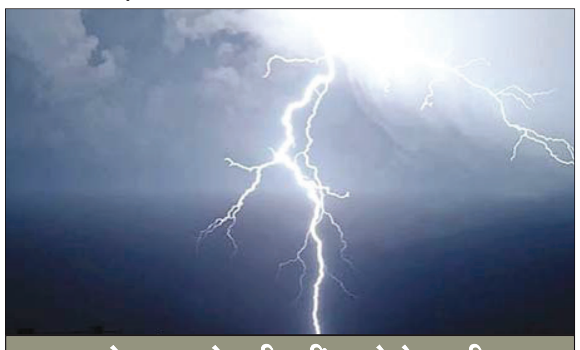

मोबाइल फोन भी नहीं खतरे से खाली

मोबाइल फोन एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है और स्मार्टफोन में काफी पावरफुल एंटीना होता है जो तरंगों को अपनी और आकर्षित करता है। तकनीकी विशेषज्ञ की सलाह देते हैं कि बादलों की गड़गड़ाहट होने पर यदि आप किसी ऐसे स्थान पर हैं जहां पर बिजली गिरने की संभावना है तो आपको तत्काल अपना मोबाइल फोन स्विच ऑफ कर देना चाहिए।

घर से बाहर ऐसे करें सुरक्षा

बताया गया कि वृक्ष बिजली को आकर्षित करते हैं। इसलिए मौसम खराब होने पर उनके पास ना जाएं। ऊंची इमारतों वाले क्षेत्र में आश्रय न लें। समूह में खड़े होने के बजाय अलग-अलग हो जाएं। किसी निर्मित भवन में आश्रय लेना बेहतर है। यदि आप किसी वाहन में है तो मौसम खराब होने पर भी उसी में बने रहे। खुली छत वाले वाहन की सवारी न करें। धातु से बने वस्तुओं का उपयोग न करें। बाइक, बिजली या टेलीफोन का खंभा तार की बाड़ और मशीन आदि से दूर रहें। तालाब और जलाशयों से दूर रहें। यदि आप पानी के भीतर हैं, अथवा किसी नाव में हैं तो तुरंत बाहर आ जाएं।

कब गिरती है आकाशीय बिजली

आकाशीय बिजली हमेशा धरती से ऊष्मा मिलने के बाद गिरती है। एक अध्ययन में पाया गया है कि जिन स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरी, वहां घटना से पहले तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से अधिक था। यानी कि यदि आप किसी ऐसे स्थान पर हैं जहां पर उमस बहुत ज्यादा है और अचानक बादलों की गड़गड़ाहट शुरू हो जाती है तो समझ लीजिए कि आप खतरे में हैं।

यूं लगाएं बज्रपात का पूर्वानुमान

यदि आकाशीय बिजली चमक रही है और आपके सिर के बाल खड़े हो जाएं व त्वचा में झुनझुनी होने लगे तो फौरन नीचे झुककर कान बंद कर लें। क्योंकि यह इस बात का सूचक है कि आपके आसपास बिजली गिरने वाली है।

तुरंत करें प्राथमिक उपचार

बिजली का झटका लगने पर जरूरत के अनुसार व्यक्ति को सीपीआर, कार्डियो पल्मोनरी रेसिटेंशन यानि कृत्रिम सांस देनी चाहिए। तत्काल प्राथमिक चिकित्सा देने की व्यवस्था करनी चाहिए।

इधर एक मिलीमीटर बारिश ने बढ़ाई उमस

रविवार को दिन में हल्की बारिश हुई जबकि दोपहर तक मौसम साफ रहने से धूप का असर देखने को मिला। लोगों को जहां शुक्रवार को हुई बारिश से राहत मिली थी वहीं शनिवार व रविवार को बारिश नहीं होने से लोग उमस व गर्मी से परेशान हुए। शाम छह बजे के करीब आसामान में बादलों की गड़गड़ाहट से मौसम में परिवर्तन देखने को मिला। लेकिन इस दौरान हवाओं के झोकों के बीच केवल फुहारें ही पड़ी। शनिवार को अधिकतम तापमान जहां 35.2 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था वही रविवार को 31.2 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिक आरके श्रीवास्तव ने बताया कि सोमवार को भी जिले में हल्की बारिश होने की संभावना नजर आ रही है।

सतना -रीवा बायपास पर किया गया 1100 पौधों का रोपण

नगर संवाददाता ■ सतना

पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ आज सतना रीवा बाईपास पर 1100 पौधों का वृहद वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान का आयोजन नई दिशा फाउंडेशन, इनर व्हील क्लब एवं अनुभूति फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया, जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में महापौर योगेश ताम्रकार, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पांडे, विंध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा, प्रबल श्रीवास्तव, अनुभूति फाउंडेशन के अध्यक्ष, सचिव एवं उनकी पूरी टीम, इनर व्हील क्लब की टीम तथा नई दिशा फाउंडेशन की टीम की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए 1100 पौधों का सफलतापूर्वक वृक्षारोपण किया तथा उनके संरक्षण का संदेश भी दिया। वक्ताओं ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने का अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित एवं सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम के माध्यम से सभी नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया गया।

एक रोटेरियन-एक पौधा अभियान के अंतर्गत लगाए गए 100 पौधे

नगर संवाददाता ■ सतना

अंतर्राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब सतना द्वारा रविवार को सरस्वती विद्यापीठ, उतैली में एक रोटेरियन एक पौधा थीम पर पौधारोपण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। पब्लिक इमेज चेयरमैन हरिओम गुप्ता ने बताया कि रोटरी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए 100 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायी संदेश दिया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष नितेश बड़ेरिया, संयोजक सचिन चौधरी, कोषाध्यक्ष वर्धमान जैन ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान निकुंज गर्ग, गोपाल धूत, सुशील शर्मा, अंकुल कुचिया, राजीव गर्ग, शरद पाण्डेय, हरिओम गुप्ता, केशव बंसल, विनोद गोयल, पवन गुप्ता, कुशाग्र बंसल, गिरधारीलाल वाधवानी, ललित खुराना, डॉ. आलोक खन्ना, डॉ. सुनील करखुर, दीपक वाधवानी, विवेक सिंह, रुचिन जैन, अनुराग बंसल, मनोहर डिगवानी सहित काफी संख्या में रोटेरियन साथी उपस्थित थे।

इलेक्ट्रिकल मर्चेंट एसोसिएशन का 29वां वार्षिक अधिवेशन संपन्न

■ नई कार्यकारिणी का गठन, भवन निर्माण के लिए सहयोग की घोषणाएं

नगर संवाददाता ■ सतना

इलेक्ट्रिकल मर्चेंट एसोसिएशन, सतना का 29वां वार्षिक अधिवेशन, आम सभा एवं नई कार्यकारिणी का गठन रविवार को उषा पैलेस, मैहर बायपास में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजय तीर्थवानी (उपाध्यक्ष, विंध्य विकास प्राधिकरण) थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सतीश सुखेजा (अध्यक्ष, विंध्य चैंबर ऑफ कॉमर्स), मनोज कटारे (महामंत्री, विंध्य चैंबर ऑफ कॉमर्स) एवं सुनील गुप्ता (सेल्स हेड, इशका कंपनी) उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था अध्यक्ष कमल मगनानी ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीगणेश के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं अतिथियों के सम्मान के साथ हुआ। अध्यक्ष कमल मगनानी ने वर्षभर की गतिविधियों की जानकारी देते हुए संस्था के नए भवन निर्माण कार्य की प्रगति से सदस्यों को अवगत कराया। भवन निर्माण के लिए कई सदस्यों ने आर्थिक सहयोग की घोषणा की। मुख्य अतिथि संजय तीर्थवानी ने 51,000 तथा संस्था संरक्षक दीपक अग्रवाल ने 1 लाख की सहयोग राशि देने की घोषणा की। साथ ही सतना में नई इलेक्ट्रिक मार्केट विकसित करने का प्रस्ताव भी रखा गया।

प्रथम सत्र में वरिष्ठ सदस्य रमेश गुप्ता एवं किशोर कलवानी का सम्मान किया गया तथा चैंबर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों सहित कई सदस्यों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। द्वितीय सत्र में आम सभा आयोजित हुई, जिसमें आय-व्यय एवं प्रतिवेदन सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके बाद चुनाव अधिकारियों की देखरेख में नई कार्यकारिणी का चुनाव हुआ। संजय वाधवानी अध्यक्ष, राजेंद्र गुरु महामंत्री, सुशील सुखेजा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजेश केसरवानी कनिष्ठ उपाध्यक्ष, योगेश गुप्ता मंत्री, अशोक ताम्रकार सह मंत्री तथा मनीष अग्रवाल कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री राजेंद्र गुरु ने तथा आभार प्रदर्शन वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय वाधवानी ने किया।

लायंस लंगर में खिचड़ी प्रसाद का वितरण

सतना। लायंस क्लब सतना हेल्पिंग हैंड्स सतना द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को अनवरत जारी लायंस लंगर सेवा में रविवार को स्व.श्रीमती दर्शना निगम (धर्मपत्नी एडवोकेट अनिल कुमार निगम) की द्वितीय पुण्यतिथि पर दिवाकर निगम परिवार की ओर से श्री हनुमान जी मंदिर सी एम एच ओ आफिस के सामने धवारी सतना में खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व रीजन चेयरपर्सन लायन आलोक त्रिपाठी लायन जितेन्द्र गर्ग, प्रकाश चन्द्र निगम, संजय निगम,मोहित निगम, अंकित निगम,अनुराग निगम, आंचल निगम, आदर्श निगम, ख़ुशी निगम, कमल कांत पाण्डेय, मिथलेश पाण्डेय, सुकीर्त त्रिपाठी, सूर्य कमल त्रिपाठी, विनय कमल त्रिपाठी, मंदिर के पुजारी पं.जगन्नाथ महराज जी एवं साथी उपस्थित रहे ।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में की गई 39 मरीजों की जांच

नगर संवाददाता ■ सतना

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला के निर्देशन एवं जिला एड्स नोडल अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता के मार्गदर्शन एवं निगरानी में जाग्रति युवा मंच समिति द्वारा उतैली क्षेत्र में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन यादव धर्म कांटा के पास, आनंदम मैरिज गार्डन, उतैली में किया गया। शिविर में क्षेत्र के नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श सेवाएं प्रदान की गई। इस दौरान कुल 39 हितग्राहियों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर का उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, समय पर स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराना तथा आवश्यकतानुसार उचित परामर्श एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना रहा। शिविर में आईसीटीसी काउंसलर नीरज सिंह तिवारी, ओएसटी जिला सलाहकार अभिषेक सिंह, प्रोजेक्ट मैनेजर ज्योति पाण्डेय एवं ओआरडब्ल्यू पीयर की सक्रिय सहभागिता रही।

समाजसेवी मनमोहन माहेश्वरी ने जन्मदिन पर किया 60वीं बार रक्तदान

■ 60 वर्ष की उम्र में 60 वां ब्लड डोनेट

नगर संवाददाता ■ सतना

मानव सेवा के सर्वोच्च कार्य रक्तदान महादान को जीवन का संकल्प बना चुके वरिष्ठ समाजसेवी मनमोहन माहेश्वरी ने 19 जुलाई रविवार को जन्मदिन पर 60 वां स्वैच्छिक रक्तदान कर समाज के सामने सेवा, समर्पण और मानवता की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की रक्त प्रेरक एवं सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी ने कहा मनमोहन माहेश्वरी का अनुकरणीय कार्य न केवल जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी है,बल्कि युवाओं एवं मातृशक्ति को भी नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करने वाला संदेश है । इस अवसर पर विभाष बनर्जी, आकाश बनर्जी, विनोद गेलानी, ब्लड बैंक से सविता सिंह, आशीष तिवारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

रक्तदान से जरूरतमंद को मिलता है नया जीवन

इस अवसर पर श्री माहेश्वरी ने कहा कि रक्तदान ऐसा महादान है,जिसमें कुछ ही मिनटों का समय किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन दे सकता है । उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे जन्मदिन,विवाह वर्षगांठ एवं अन्य विशेष अवसरों को रक्तदान कर यादगार बनाएं। साथ ही मातृशक्ति से भी अपील की कि स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप वे आगे बढ़कर रक्तदान करें और समाज में सेवा की नई मिसाल स्थापित करें।

रक्तदान करने पर समिति के संरक्षक श्रीचंद मनवानी, गोपी गेलानी ,मनोहर डिगवानी ,विनोद गेलानी, ज्ञान खटवानी, इंद्रलाल आडवाणी, घनश्याम मंघरानी, महेश रावलानी, संजय वाधवानी, दिलीप सोनी, गंगाराम सचदेव, रंजीत सेनानी, अमित कामरानी, गोपीचंद कापड़ी, सुधीर आहूजा, कमल पुरस्वानी, विजय जग्यासी, अशोक चांदवानी, बसंत खत्री, दीपक वाधवानी, केशव माखीजा, राजकुमार साधवानी, मनीष टेकवानी, मोना चोपड़ा, राखी होतचंदानी, आभा सिंह, डॉ,मनीषा सोई, सिमरन होतचंदानी, सीमा अग्रवाल, डॉली भांबरी ने माहेश्वरी को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

नागपंचमी उत्सव को लेकर चौरसिया समाज ने की बैठक

नगर संवाददाता ■ सतना

चौरसिया दिवस उत्सव नागपंचमी कार्यक्रम हेतु नरेश चौरसिया जी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। सचिव प्रकाश चौरसिया ने जानकारी दी कि आगामी नागपंचमी में दो दिवसीय कार्यक्रम दिनांक 16 अगस्त एवं 17 अगस्त को होने जा रहा है सर्व समिति से बैठक में महत्वपूर्ण सुझावों पर विचार विमर्श किया गया। समाज के बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम गीत,संगीत प्रतियोगिता नाटक, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आदि विषयों पर चर्चा हुई कक्षा 8,10,12 वीं एवं उच्च शिक्षा में 75 प्रतिशत अंक अर्जित करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मान पत्र एवं पुरस्कार वितरण,धर्मशाला निर्माण में सहयोग कर्ताओं का सम्मान, शासकीय एवं अशासकीय पद पर कार्यरत स्वजातीय बंधुओ का उद्बोधन एवं सम्मान होगा । स्नेह भोजन द्वारा कार्यक्रम का समापन होगा।

[परेशानी] रेलवे प्रबंधन की समझाइश दरकिनार, गंदगी से पटा स्टेशन

स्टेशन परिसर को स्वच्छ नहीं रख पा रही ठेके की सफाई

नगर संवाददाता ■ सतना

रेलवे प्रबंधन द्वारा परिसर की साफ-सफाई के लिए कितने भी प्रयास किए जा रहे हों लेकिन ठेके की सफाई स्टेशन को स्वच्छ रख पाने में नाकाम साबित हो रही है। समस्या तो यह है कि यात्रियों के द्वारा गंदगी बढ़ाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही है। रेलवे स्टेशन परिसर के मुख्य द्वार के सामने ही यात्रियों द्वारा खुले में पेशाब किया जाता है जिससे यहां से गुजरने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि ऑटो स्टैंड के सामने की दीवारों में रेलवे द्वारा स्टेशन को स्वच्छ बनाने के लिए बड़े-बड़े अक्षरों में स्लोगल लिखवाये गए हैं। लेकिन इन स्लोगन को दरकिनार कर लोग इन्ही दीवारों पर पेशाब करने से नहीं चूक रहे हैं। रोजाना सैकड़ों यात्री इन्ही दीवारों पर मूत्र विसर्जन कर रेलवे के स्वच्छता अभियान को मुंह चिढ़ा रहे हैं।

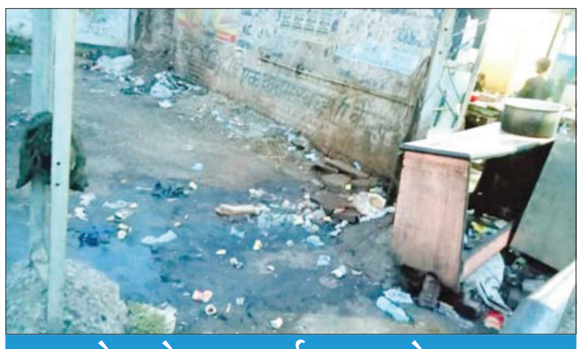

स्टेशन के मुख्य मार्ग पर डाल रहे कचरा

रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार पर मार्तंड काम्पलेक्स में संचालित आधा दर्जन से अधिक खाद्य प्रदार्थों की दुकानों का कचरा धड़ल्ले से सड़कों में फेंका जा रहा है। रेलवे की सहकारी संस्था द्वारा संचालित कैंटीन के बगल से खाली पड़े भू-खंड का उपयोग कचरा घर के तौर पर किया जा रहा है। यहां पर रोजाना काफी कचरा इन्हीं दुकानदारों द्वारा फेंका जा रहा है जिससे स्टेशन के स्वच्छता मिशन पर ग्रहण लग रहा है।

माल गोदाम के पास बजबजा रही गंदगी

रेलवे स्टेशन के माल गोदाम के पास गंदगी का साम्राज्य स्थापित हो गया है। यहां पर आवारा जानवरों द्वारा गंदगी फैलाने का काम किया जा रहा है इसके साथ ही आसपास के दुकानदारों द्वारा भी काफी कचरा लाकर यहां पर फेंक दिया जाता है। रेलवे में संचालित कई कैंटीनों का कचरा भी माल गोदाम के पास ही फेंक देने से गंदगी बजबजा रही है।

अभियान भी बेअसर

रेलवे प्रबंधन द्वारा लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से लगातार अभियान चलाकर उन्हें स्टेशन में स्वच्छता बरतने के लिए जागरूक किया जा रहा है। समय-समय पर सामाजिक संस्थानों के सहयोग से भी सफाई अभियान चलाया जा रहा है। लेकिन यात्रियों को इन अभियान से कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। यात्री जहां पर मन करता है वहीं पर गंदगी फैलाने से बाज नहीं आ रहे हैं।

समान नागरिक संहिता समय की आवश्यकता : गणेश सिंह

नगर संवाददाता ■ सतना

मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को स्वीकृति दिए जाने पर सतना सांसद गणेश सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई देते हुए इसे ऐतिहासिक और दूरदर्शी निर्णय बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का यह कदम सामाजिक समरसता, समानता और सुशासन की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। सांसद गणेश सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस निर्णय के लिए बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता केवल मध्य प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश की आवश्यकता है। भारत आज दुनिया के सबसे बड़े देशों में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है और तेजी से बदलते सामाजिक एवं आर्थिक परिवेश में देश के समग्र विकास के लिए एक समान और प्रभावी व्यवस्था की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यदि योजनाबद्ध तरीके से कार्य नहीं किया गया तो देश को कई जटिल चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में समाज और शासन व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए दूरदर्शी निर्णय लेना समय की मांग है। समान नागरिक संहिता इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो समानता और न्याय की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेगी।

धान का रोपा लगाकर सांसद ने दिया श्रम व सम्मान का संदेश

सांसद गणेश सिंह ने रविवार सुबह अपने गृह ग्राम खम्हरिया पहुंचकर खेत में धान का रोपा लगाया। खेत में किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खेती के कार्य में सहभागिता करते हुए उन्होंने अन्नदाताओं का उत्साह बढ़ाया और खेती-किसानी के प्रति सम्मान का संदेश दिया। सांसद को खेत में किसानों के साथ श्रम करते देख ग्रामीणों और किसानों में विशेष उत्साह का माहौल रहा। धान की रोपाई के दौरान सांसद गणेश सिंह ने कहा कि भारत की पहचान उसकी कृषि संस्कृति से है और देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव किसानों की मेहनत पर टिकी हुई है। अन्नदाता दिन-रात परिश्रम कर देश के करोड़ों लोगों के लिए अन्न का उत्पादन करता है, इसलिए किसान का सम्मान और उसकी समृद्धि राष्ट्र की प्राथमिकता होनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

न्यायिक कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष बने रामनरेश

रीवा। म.प्र. न्यायिक कर्मचारी संघ, जिला शाखा रीवा के जिला अध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए 11 जुलाई को मतदान शांतिपूर्ण सम्पन्न हुआ। निर्वाचन प्रक्रिया में रीवा न्यायालय के समस्त लिपिकों के साथ-साथ न्यायालय मऊगंज, हनुमना, त्योंथर, सिरमौर एवं मनगवां के न्यायालयीन लिपिकों ने भाग लेते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। निर्वाचन में कुल 257 न्यायालयीन लिपिक मतदाताओं ने मतदान किया। मतदान उपरांत मतगणना सम्पन्न हुई, जिसमें रामनरेश पटेल को सर्वाधिक 158 मत प्राप्त हुए, वहीं, संकट मोचन मिश्र को 51 मत तथा राजेश पटेल को 08 मत प्राप्त हुए। मतगणना के परिणामस्वरूप रामनरेश पटेल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पर उल्लेखनीय बढ़त बनाते हुए जिला अध्यक्ष पद पर लगातार दूसरी बार विजय प्राप्त की।

सोनू का असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर चयन

रीवा। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) की परीक्षा में सोनू मिश्रा ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर तीसरी रैंक प्राप्त की है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा आदर्श प्रज्ञा हायर सेकेंडरी स्कूल, दलदल से प्राप्त की। इसके बाद अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा से स्नातक (बी.ए.) और स्नातकोत्तर (एम.ए.)की पढ़ाई पूरी की। उन्होंने जीडीसी कॉलेज, रीवा में भी अध्ययन किया। सोनू मिश्रा यूजीसी-नेट (जेआरएफ) एवं एमपी-सेट उत्तीर्ण हैं और वर्तमान में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से पीएचडी रिसर्च स्कॉलर हैं। उनकी इस सफलता पर उनके पिता सुरेश प्रसाद मिश्रा, माता आरती मिश्रा, पति सतेंद्र तिवारी हैं तथा 10 वर्षीय पुत्र कृष्ण तिवारी सहित चाहने वालों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दसवीं बोर्ड रिजल्ट में केन्द्रीय विद्यालय-2 ने पाया तीसरा स्थान, प्राचार्य सम्मानित

रीवा। 13 से 15 जुलाई तक खजुराहो (छतरपुर) में आयोजित केंद्रीय विद्यालय संगठन, जबलपुर संभाग के वार्षिक प्राचार्य सम्मेलन-2026 के दौरान पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 विद्यालय के प्राचार्य योगेश कुमार पाण्डेय को उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। नरेंद्र गोयल द्वारा स्मृति-चिह्न प्रदान कर दिया गया। यह सम्मान विद्यालय द्वारा सीबीएसई कक्षा दसवीं बोर्ड परीक्षा सत्र 2025-26 में प्राप्त उत्कृष्ट परिणाम के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली के संयुक्त आयुक्त नरेंद्र गोयल द्वारा स्मृति-चिह्न प्रदान कर दिया गया। विद्यालय ने 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त करते हुए 73.08 परफॉर्मेंस इंडेक्स अर्जित किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के आधार पर केंद्रीय विद्यालय संगठन, जबलपुर संभाग के 59 विद्यालयों में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2, रीवा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सैनिक स्कूल में वाद-विवाद व भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने लिया हिस्सा

नगर संवाददाता ■ रीवा

विंध्य क्षेत्र की शान सैनिक स्कूल रीवा में अन्तर्सदनीय अंग्रेजी वाद-विवाद व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन कर्नल अविनाश रावल एवीएसएमए प्राचार्य सैनिक स्कूल रीवा के मुख्य आतिथ्य में किया गया। प्रतियोगिता के आयोजन का उद्देश्य कैडेटों में अंग्रेजी भाषा के प्रति दक्षता एवं आत्मविश्वास का विकास करना,उनकी संवाद कला को निखारना,तार्किक एवं विश्लेषणात्मक चिंतन को प्रोत्साहित करना तथा समसामयिक विषयों पर अपने विचार प्रभावी एवं धाराप्रवाह ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता का विकास करना था। प्रतियोगिता में कैडेटों ने उत्कृष्ट वक्तृत्व कौशल,तार्किक चिंतन एवं प्रभावशाली अभिव्यक्ति का परिचय देते हुए अपने विचार आत्मविश्वास एवं ओजस्वी शैली में प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता कनिष्ठ तथा वरिष्ठ दोनों वर्गों में आयोजित की गई,जिससे सभी आयु वर्ग के कैडेटों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त हुआ।

ध्रुव सदन ने मारी बाजी

प्रतियोगिता के परिणामों में वाद-विवाद प्रतियोगिता(कनिष्ठ वर्ग)में ध्रुव सदन ने प्रथम स्थान तथालवकुश सदनने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता (वरिष्ठ वर्ग)में विन्ध्या सदन विजेता एवं सतपुड़ा सदन उपविजेता रहा। इसी प्रकार भाषण प्रतियोगिता कनिष्ठ वर्ग में ध्रुव सदन ने प्रथम स्थान तथा अभिमन्यु सदन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि भाषण प्रतियोगिता वरिष्ठ वर्ग में नर्मदा सदन विजेता एवं बेतवा सदन उपविजेता रहा। मुख्य अतिथि ने कैडेटों को संबोधित करते हुए उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन, आत्मविश्वास एवं वक्तृत्व कौशल की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा उन्हें भविष्य में भी इसी उत्साह एवं समर्पण के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इसके उपरांत उन्होंने प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर विंग कमांडर सीएच त्रिलोक कुमार उपप्राचार्य,कमांडर जेएस खोत प्रसाशनिक अधिकारी ,डॉ आर एस पाण्डेय वरिष्ठ अध्यापक ,समस्त शिक्षकगण ,कर्मचारी व छात्र उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त विशिष्ठ अतिथि के रूप में श्रीमती नेहा रावल प्रथम महिला सैनिक स्कूल रीवा व श्रीमती रीमा सिंधु उपस्थित रही।

अतरैला पुलिस ने 'नशे से दूरी है जरूरी' का चलाया जागरूकता अभियान

नगर संवाददाता ■ रामबाग

जिले के अतरैला थाना अंतर्गत कई विद्यालयों में नशे से दूरी है जरूरी जागरूकता अभियान चला कर नशे से दूरी बनाए रखने की शपथ दिलाई गई वही यह अभियान थाना प्रभारी अतरैला विजय सिंह परिहार के नेतृत्व में आर्योदय पब्लिक स्कूल अतरैला शासकीय हाई स्कूल पटेहरा शासकीय विद्यालय अतरैला में जाकर बच्चों को नशे से दूर रहने की शपथ अतरैला पुलिस ने दिलाई वही थाना प्रभारी अतरैला विजय सिंह और चौकी प्रभारी पटेहरा महेंद्र बागरी ने बच्चों को बताया कि नशा एक ऐसा दीमक है जो हंसते खेलते इंसान और परिवार के साथ समाज को खोखला कर देती हैं आज के समय युवाओ में बढ़ते नशे का चलन एक गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है शुरुआत अक्सर शौक दोस्तो के दबाव या मानसिक तनाव से होती हैं लेकिन धीरे धीरे यह एक जानलेवा लत में बदल जाती है नशे के चंगुल से बचने के लिए मजबूत इच्छा शक्ति और जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। समस्त स्कूल स्टाफ और बच्चों को नशे से खुद और अपने परिजनों को दूर रहने की शपथ दिलाई गई साथ ही सभी विद्यालयों में नशे दूरी है जरूरी की रैली भी बाजारों में अतरैला पुलिस द्वारा निकाली गई इस दौरान विद्यालयों के शिक्षकों के साथ साथ कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

रीवा में सोनम वांगचुक की हिरासत के विरोध में धरना

नगर संवाददाता ■ रीवा

शिक्षा व्यवस्था सुधारक पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर देश के केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर विगत 21 दिनों से दिल्ली के जंतर मंतर में आमरण अनशन पर थे,आंदोलन से डरी बीजेपी सरकार ने बिना किसी सार्थक वार्ता के उन्हें हिरासत में लेने का काम किया। जिसके विरोध में रीवा कमिश्नरी के समक्ष बड़ी तादाद में छात्र-छात्राएं युवा कलाकार रचनाकार समाजसेवी अधिवक्ता बुद्धजीवी राजनीतिक दलों के साथी किसान संगठनों के प्रमुख एवं किसान आम नागरिकों ने मिलकर एक साथ शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीके के साथ दोषियों पर कार्यवाही तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देश के सामने सरेंडर करने की आवाजें गूंजती रही। धरने में बैठे आंदोलनकारियों ने कहा कि मोदी सरकार ने आंदोलन को कुचलने डाक्टरों के भेष में पुलिस को भेजकर सोनम वांगचुक को हिरासत में लिया,आज भी सरकार से उनकी जान को खतरा है। यदि सरकार गांधीवादी तरीकों पर विश्वास नहीं करती तो हम लोगों के पास और भी बहुत से तरीके बाकी हैं।

बेलगाम सीवर कम्पनी की व्यवस्था से आधा शहर का मीठा पानी ठप्प

■ वाणसागर कालोनी की प्रमुख पानी की राइजिंग लाईन टूटी

नगर संवाददाता ■ रीवा

शहर में सीवर लाइन के नाम पर चल रहा काम नौ दिन चले अढ़ाई कोस वाली स्थिति से गुजर रहा है। शहर की भूमि का चीर हरण करने वाली कम्पनी ने रहवासियों के लिए मुश्किलें पैदा कर दी हैं। जमीन को खोदने के बाद उसे खुला छोड़ना कम्पनी की फितरत में आ गया है। खुले गड्ढे में कितने लोग गिर कर हांथ पैर तुड़वा रहे हैं इससे कम्पनी का कोई लेना देना नहीं है। मुसीबत की बात यह है कि सीवर लाइन खुदने से आधे शहर में मीठे पानी की व्यवस्था ठप्प हो चुकी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस पूरे मामले को लेकर प्रशासन और नगर निगम क्या कर रहा है। शायद सीवर कंपनी के ऊपर नगर निगम का कोई अंकुश नहीं रह गया है। निगमायुक्त, महापौर, परिषद अध्यक्ष की व्यवस्था कहां चली गई। नेहरू नगर की पार्षद संजय नम्रता सिंह ने बताया कि नेहरू नगर, संजय नगर, रतहरा, सिविल लाइन,कोठी कंपाउंड ,ढेकहा ,बोदावाग,माडल स्कूल,सिरमौर चौराहा इत्यादि मुहल्ले में मीठा पानी की सप्लाई सुबह नही हुई,न ही शाम को हुई। निगम के पास इतनी व्यवस्था नहीं है कि शहर के 60 प्रतिशत एरिया में घर घर पानी टैंकर से सप्लाई कर सके। आये दिन सीवर कंपनी की वजह से आम जनता परेशान हो रही है,जिसके घर में पानी नहीं होगा वह क्या करे, कहा जाय। सीवर कंपनी पर भारी दंड जब तक नहीं लगाया जायेगा,प्रशासनिक कसावट नहीं होगी, तब तक सीवर कंपनी रोड और पानी दोनों के नाम से रूलाते रहेंगे। श्रीमती नम्रता सिंह ने कहा कि महापौर व परिषद अध्यक्ष अब सीवर कंपनी को बर्खास्त करने का पत्र लिखकर संभागायुक्त को दे। इन सबकी बहादुरी सिर्फ मेरे पार्षद पद बर्खास्त करने की है।

5 रुपए प्रति लीटर एथेनॉल पेट्रोल देने की बात 15 लाख रुपए की तरह जुमलाः अजय खरे

■ पेट्रोल में एथेनॉल की मिलावट शुद्ध घी में डालडा जैसी

नगर संवाददाता ■ रीवा

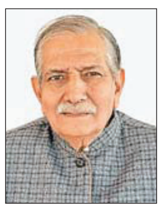

समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ठीक 3 साल पहले एथेनॉल पेट्रोल को 15 रुपए लीटर में उपलब्ध कराने की बात कही थी लेकिन इधर एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल 116 रुपए प्रति लीटर के भाव पेट्रोल पंप पर उपलब्ध हो रहा है। श्री खरे ने कहा कि यह बात भी 15 लाख रुपए खाते में आएंगे की तरह जुमला हो गई है। आपत्तिजनक बात यह है कि सड़क परिवहन एवं राज मार्ग केंद्रीय मंत्री होने के बाद भी नितिन गडकरी पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के बारे में ऐसी बातें करते हैं जैसे उन्हें इस विभाग का भी अतिरिक्त प्रभार मिला हो। इधर एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर मोटर वाहनों के इंजन के खराब हो जाने और माइलेज कम होने की बात पर देश के करोड़ों लोगों की चिंता के जवाब में नितिन गडकरी फरमा रहे हैं कि शुद्ध पेट्रोल 168 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है जितना ले सकते हो ले लो। श्री खरे ने कहा कि शहर के कुछ पेट्रोल पंपों में शुद्ध पेट्रोल की मांग करने पर यह बताया गया कि उपलब्ध नहीं है। वर्तमान में एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल पंप 116 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से उपलब्ध है। यह स्पष्ट हो गया कि पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण के बाद भी पेट्रोल के दामों में कोई कमी नहीं आई बल्कि शुद्ध पेट्रोल की कीमतों में तो भारी वृद्धि हुई है। जिस तरह घी में मिलावट के बाद बाजार में शुद्ध घी के दाम काफी बढ़े रहते हैं। इसी तरह पेट्रोल के दाम भी बढ़ गए हैं। फिलहाल एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के दामों में गिरावट के कोई संकेत नहीं है। दोनों तरफ से मुनाफा कमाया जा रहा है। ऊपर से माइलेज और इंजन खराब होने की आशंकाएं बरकरार हैं। सुप्रीम कोर्ट में सरकार के द्वारा यह फरमाया जा रहा है कि यह प्रयोग है, तो फिर इस बात की गारंटी कैसे दी जा सकती है कि इसका गाड़ी के माइलेज और इंजन पर दुष्प्रभाव नहीं होगा।

प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन का धरना स्थगित

रीवा। प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन मप्र जिला रीवा के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ उप प्रान्ताध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि आन्दोलन के तीसरे चरण का धरना 22 जुलाई 2026 को भोपाल के अम्बेडकर मैदान में ओमप्रकाश बुधौलिया प्रान्ताध्यक्ष के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था जिसमें प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की प्रमुख मांग राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा-49(6) विलोपित करना है।17 जुलाई 2026 को दोनो प्रदेश(मप्र.,छ.ग.)की राज्य सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से जारी प्रशासनिक सुगमता एवं पेंशनरों के हित को ध्यान में रखते हुए मंहगाई राहत घोषित करने हेतु दूसरे राज्य की सहमति प्राप्त करने की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है जिसकी वजह से अब मंहगाई राहत पेंशनरों को समय पर मिलने का रास्ता साफ हो गया है,जिसके चलते प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन का धरना स्थगित कर दिया गया है।

शहर से लेकर कस्बाई क्षेत्र में चलाया जा रहा नशे से दूरी है जरूरी अभियान

नगर संवाददाता ■ रीवा

मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा संचालित प्रदेशव्यापी नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान में सामाजिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिल रही है। जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन के सहयोग से अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी और समग्र जन चेतना विकास परिषद जिला एवं स्थानीय पुलिस तथा प्रशासन के साथ मिलकर विभिन्न क्षेत्रों में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। रीवा संभाग के पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत, उप पुलिस महानिरीक्षक हेमंत चौहान एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरुकरण सिंह के नेतृत्व में जिले के प्रत्येक थाना क्षेत्र, विद्यालय, महाविद्यालय एवं समुदाय स्तर पर नशा मुक्ति संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के अंतर्गत जवा ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों सहित सीतलहा, डभौरा, पनवार, अतरैला एवं त्योंथर क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। सामाजिक संगठनों द्वारा 30 जुलाई तक विभिन्न क्षेत्रों में लगातार अभियान चलाने की कार्ययोजना भी तैयार की गई है। रतहरा चर्च में जागरूकता कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सिटी कोतवाली थाना प्रभारी निशा मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

तैयारियों को लेकर आयोजित हुई बैठक

श्री हनुमान मंदिर में होगा दो दिवसीय रामचरित मानस पाठ

नगर संवाददाता ■ हनुमना

हनुमना नगर के नगर आराध्य श्री हनुमान जी महाराज के मंदिर परिसर में 20 एवं 21 जुलाई 26 को आयोजित दो दिवसीय श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ एवं विशाल भंडारे का आयोजन स्वामी राघवाचार्य जी महाराज के कुशल निर्देशन में वरिष्ठ समाज सेवी इंजीनियर विनीत मिश्रा द्वारा किया गया है, जिसकी तैयारियां को लेकर मंदिर परिसर में बैठक संपन्न हुई। बैठक में कार्यक्रम की रूप रेखा तय करते हुए सभी प्रमुख कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां जहां सौंपी गई,वहीं प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए इंजीनियर विनीत मिश्रा ने कहा कि गणेश धाम बरांव में क्षेत्र व समाज के कल्याणार्थ श्रीमद् भागवत के विशाल आयोजन के बाद जैसे ही मैं हनुमना के नगर आराध्य श्री हनुमान जी महाराज की महिमा के बारे में जाना मैं स्वयं आकर यहां दर्शन किया, हनुमान जी की प्रेरणा से मैं यहां श्री रामचरितमानस का अखंड पाठ एवं विशाल भंडारा का आयोजन कर हनुमान जी के चरणों की कृपा अधिक से अधिक लोगों पर बरसे इसलिए उपरोक्त आयोजन का संकल्प लिया हूं जो 20 जुलाई को सुबह 11 से अखंड श्री रामचरितमानस का पाठ प्रारंभ होगा तथा 21 जुलाई को 11 बजे समापन एवं हवन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया है। इस आयोजन में समस्त क्षेत्रवासियों से अपील करता हूं कि अधिक से अधिक संख्या में मानस पाठ एवं भंडारे में पहुंचकर हनुमान जी महाराज का प्रसाद ग्रहण कर अपने जीवन को सफल बनाएं। बैठक में इंजीनियर विनीत मिश्रा के अतिरिक्त स्वामी राघवाचार्य जी महाराज, संजू उपाध्याय ,बृजेश द्विवेदी, उपाख्य सोनू, एसपी यादव, शैलेंद्र सिंह, शिव शंकर तिवारी, शिवदत्त मिश्र ,सुनील शुक्ला, अंकित मिश्रा, श्यामलाल मिश्रा, विकास मिश्रा, आनंद मिश्रा, मानस तिवारी, पत्रकार संपत्ति दासगुप्त, आनंद मिश्रा, श्याम बाबू गुप्ता, टिंकल केसरी, प्रमोद वर्मा, सुंदरम पाण्डेय, नीरज उपाध्याय आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में बीकानेर पहुंची राजपूत करणी सेना की रीवा इकाई

■ राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह के आह्वान पर रोलबैक रैली में शामिल हुए पदाधिकारी

नगर संवाददाता ■ रामबाग

केंद्र सरकार द्वारा यूजीसी के नए नियम लागू किए जाने के विरोध में श्री राजपूत करणी सेना द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन के तहत रीवा इकाई ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना के आह्वान पर रीवा संभाग एवं जिला इकाई के पदाधिकारी राजस्थान के बीकानेर पहुंचे और विशाल रोलबैक रैली में शामिल हुए। जानकारी के अनुसार 11 जुलाई 2026 को बीकानेर स्थित करणी माता दरबार, देशनोक से विशाल पदयात्रा प्रारंभ हुई, जो लगभग 6 किलोमीटर की यात्रा करते हुए 3 अगस्त को जयपुर पहुंचेगी। इस दौरान यूजीसी के नए नियमों के विरोध में राज्यपाल एवं प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। रैली में श्री राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष सहेंद्र सिंह रिंकू के नेतृत्व में रीवा इकाई के पदाधिकारियों ने भाग लिया। रीवा से संभाग अध्यक्ष प्रशांत सिंह बघेल, जिला अध्यक्ष भास्कर सिंह चंदेल (मोनू जवा), सेना एक्स आर्मी ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष रितेश सिंह चंदेल (रिमी), जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल (चाकघाट) तथा त्योंथर ब्लॉक अध्यक्ष हर्ष सिंह परिहार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। संभाग अध्यक्ष प्रशांत सिंह बघेल ने बताया कि 3 अगस्त को जयपुर में राष्ट्रीय अध्यक्ष महिपाल सिंह मकवाना के नेतृत्व में विशाल रैली आयोजित होगी, जिसमें प्रदेशभर से करीब 2 से 3 लाख लोगों के शामिल होने की संभावना है। रैली के माध्यम से यूजीसी के नए नियमों को वापस लेने की मांग को लेकर कलेक्टर जयपुर को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

संपादकीय

नवकरणीय ऊर्जा की राह

हाइड्रोजन ऊर्जा से चलने वाली देश की पहली रेल की शुरुआत ने भारत में साफ-सुथरे और कम प्रदूषण वाले ट्रांसपोर्ट की ओर बदलाव की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। प्रधानमंत्री द्वारा इस प्रोजेक्ट को 'मेक इन इंडिया' की सफलता के प्रतीक के तौर पर भी प्रस्तुत किया गया। दूसरे शब्दों में कहें तो यह पूरी दुनिया को संदेश देने का प्रयास ही है कि आज भारत पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को प्राथमिकता देने के लिये प्रतिबद्ध है। यानी हम भी इस क्षेत्र के ग्लोबल लीडर्स में शामिल होने के आकांक्षी हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के जींद में स्वदेशी टेक्नोलॉजी और स्थानीय स्तर पर विकसित हाइड्रोजन इकोसिस्टम के साथ, यह प्रोजेक्ट एडवांस्ड इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को भी दर्शाता है। वहीं दूसरी ओर यह प्रोजेक्ट देश के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को भी संबल देने वाला है। जिसका उद्देश्य आयातित जीवाश्म ईंधन पर भारत की निर्भरता को कम करना तो है ही, साथ ही दीर्घकाल में देश के नेट-जीरो के लक्ष्यों को पूरा करने में सहयोग बढ़ाना भी है।

सही मायने में देश में ग्रीन हाइड्रोजन का रणनीतिक महत्व जलवायु संबंधी चिंताओं से कहीं आगे बढ़कर है। हाल के दिनों में पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते अमेरिका व ईरान के संघर्ष से उपजे विषम हालातों ने ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की जरूरत को एकबार फिर से रेखांकित किया है। ऐसे में आयातित कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और औद्योगिक फीडस्टॉक पर भारत की भारी निर्भरता के कारण ऊर्जा सुरक्षा आज देश की राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गई है। विशेष रूप से वैश्विक भू-राजनीतिक अस्थिरता के दौर में। आज के वैश्विक अशांति के समय में ऊर्जा सुरक्षा राष्ट्रीय संप्रभुता की संरक्षा के लिए अपरिहार्य शर्त बन गई है। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि मौजूदा दौर में हमें नवकरणीय ऊर्जा की उपयोगिता को बढ़ावा देना होगा। इसी क्रम में देश में ही हाइड्रोजन का उत्पादन करने से हमें अस्थिर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर इन सभी प्रयासों से देश की अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। नि:संदेह, हाइड्रोजन ट्रेन को लेकर जो उत्साह देखा जा रहा है, वह स्वाभाविक ही है। लेकिन इससे जुड़ी हकीकत को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए हरित हाइड्रोजन की कीमत आम ग्रे हाइड्रोजन की कीमत से लगभग दोगुनी होती है। इसमें बिजली की अधिक लागत, महंगे इलेक्ट्रोलाइजर और लगातार पॉलिसी सपोर्ट की जरूरत, बड़े पैमाने पर इसके उपयोग को लेकर चुनौतियां पैदा कर सकती है। हालांकि देश में ब्रॉड-गेज रेलवे नेटवर्क का 95 फीसदी हिस्सा पहले ही बिजली से संचालित हो चुका है। हाल-फिलहाल इस बात की संभावना कम ही है कि हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन पूरे देश में इलेक्ट्रिक ट्रेनों की जगह ले लेंगी। इसके बजाय, हाइड्रोजन ऊर्जा से संचालित ट्रेनों का ज्यादा लाभ उन रूटों पर हो सकता है, जहां बिजली की लाइन बिछाना आर्थिक या तकनीकी रूप से कठिन होता है। इस दृष्टिकोण से हाइड्रोजन ट्रेन को लंबे समय के समाधान के बजाय एक रणनीतिक प्रदर्शन के तौर पर देखा जाना चाहिए। इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि भारत इसकी उत्पादन लागत किस हद तक कम करने में सफल हो पाता है। साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता का विस्तार करने तथा व्यावसायिक रूप से कामयाब हाइड्रोजन इकोसिस्टम बनाने में हम किस सीमा तक सफल होते हैं। इसके अलावा हमें कम लागत वाली अन्य नवकरणीय ऊर्जा के नये स्त्रोतों को भी तलाशना होगा। जिसके लिये इन विकल्पों की व्यावहारिकता और आर्थिक लागत कम रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

सोनम वांगचुक और सुर्खियों से आगे का सच

मीडिया नैरेटिव बनाम जनसमर्थन: क्या किसी आंदोलन की वास्तविक ताकत कैमरों से तय होती है?

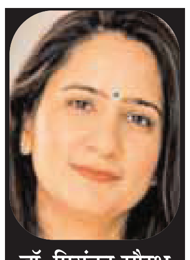

डॉ. प्रियंका सौरभ

पीएचडी (राजनीति विज्ञान), कवयित्री एवं सामाजिक चिंतक

लोकतंत्र में किसी भी आंदोलन की सफलता का सबसे बड़ा आधार उसका वास्तविक जनसमर्थन होता है। कैमरों की चमक, सोशल मीडिया की ट्रेंडिंग सूची, यूट्यूब की लाखों व्यूज़ या टीवी चैनलों की लगातार बहसें किसी आंदोलन को चर्चा का विषय तो बना सकती हैं, लेकिन वे स्वयं जनमत का प्रमाण नहीं होतीं। इतिहास गवाह है कि अनेक ऐसे आंदोलन रहे जिन्हें मीडिया ने बहुत कम स्थान दिया, फिर भी वे समाज में व्यापक परिवर्तन का कारण बने। वहीं कुछ ऐसे आंदोलन भी रहे जो मीडिया में छाए रहे, लेकिन समाज में स्थायी आधार नहीं बना सके। पिछले कुछ वर्षों में लद्दाख और वहां के पर्यावरण, संवैधानिक अधिकारों तथा स्थानीय प्रतिनिधित्व को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक चर्चा हुई है। इस विमर्श में सोनम वांगचुक एक प्रमुख चेहरा बनकर उभरे। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, हिमालयी पारिस्थितिकी, स्थानीय संस्कृति और प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय मंच पर रखा। देशभर में अनेक लोगों ने उनके विचारों का समर्थन किया, जबकि दूसरी ओर ऐसे लोग भी हैं जो मानते हैं कि उनकी राष्ट्रीय पहचान और स्थानीय जनसमर्थन के बीच पर्याप्त अंतर है। यही प्रश्न आज लोकतांत्रिक विमर्श के केंद्र में है-क्या किसी व्यक्ति की राष्ट्रीय लोकप्रियता ही उसके स्थानीय जनाधार का प्रमाण है? या फिर किसी आंदोलन की वास्तविक शक्ति उसके अपने समाज के विश्वास और भागीदारी से तय होती है? हाल ही में लद्दाख के एक सामाजिक संगठन के पदाधिकारी से हुई बातचीत में यह मत सामने आया कि लद्दाख में सोनम वांगचुक के समर्थन में वैसी व्यापक जन-लहर नहीं दिखाई देती जैसी राष्ट्रीय मीडिया में प्रस्तुत की जाती है। यदि यह आकलन सही है, तो यह विचारणीय है कि राष्ट्रीय विमर्श और स्थानीय वास्तविकता के बीच इतना अंतर क्यों दिखाई देता है। साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि किसी एक संगठन या व्यक्ति की राय को पूरे लद्दाख की सामूहिक राय मान लेने से भी बचा जाए। लोकतंत्र में समाज बहुआयामी होता है और किसी भी क्षेत्र में अनेक मत, अनेक समूह और अनेक दृष्टिकोण मौजूद रहते हैं।

आज मीडिया का स्वरूप पहले जैसा नहीं रहा। पहले समाचारों का चयन संपादकीय विवेक से होता था, अब एल्गोरिद्म, क्लिक, व्यूज़ और ट्रेंड भी यह तय करने लगे हैं कि कौन-सा मुद्दा अधिक दिखाई देगा। परिणामस्वरूप कई बार किसी व्यक्ति की छवि उसके वास्तविक सामाजिक प्रभाव से कहीं अधिक बड़ी दिखाई देने लगती है। दूसरी ओर, कई ऐसे स्थानीय मुद्दे जो वास्तव में जनता के जीवन से जुड़े होते हैं, राष्ट्रीय विमर्श से गायब रहते हैं। सोशल मीडिया ने अभिव्यक्ति का लोकतंत्रीकरण किया है, लेकिन इसके साथ ही उसने नैरेटिव निर्माण को भी नई गति दी है। कुछ मिनट का वीडियो, भावनात्मक अपील, प्रभावशाली संगीत और लगातार साझा किए जाने वाले संदेश किसी भी व्यक्ति को राष्ट्रीय पहचान दिला सकते हैं। किंतु लोकतंत्र केवल डिजिटल लोकप्रियता से नहीं चलता। लोकतंत्र का आधार वास्तविक समाज, वास्तविक नागरिक और वास्तविक जनभागीदारी है। आज अनेक यूट्यूब चैनल स्वयं को स्वतंत्र पत्रकारिता का प्रतिनिधि बताते हैं। उनमें से कई उत्कृष्ट कार्य भी कर रहे हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जो किसी वैचारिक, राजनीतिक या व्यावसायिक उद्देश्य से एकतरफा सामग्री प्रस्तुत करते हैं। ऐसे में दर्शकों के सामने चुनौती यह होती है कि वे सूचना और प्रचार के बीच अंतर कैसे करें। यदि कोई चैनल केवल एक ही पक्ष को दिखाए और दूसरे पक्ष की उपेक्षा करे, तो वह पत्रकारिता के मूल उद्देश्य से भटक जाता है। इसी प्रकार मुख्यधारा का मीडिया भी कई बार व्यक्तियों को मुद्दों से बड़ा बना देता है। परिणाम यह होता है कि पर्यावरण, स्थानीय प्रशासन, रोजगार, शिक्षा, पर्यटन और सीमावर्ती क्षेत्रों की समस्याओं जैसे गंभीर विषय पीछे छूट जाते हैं और चर्चा केवल किसी एक चेहरे तक सीमित रह जाती है। लोकतंत्र में यह प्रवृत्ति स्वस्थ नहीं मानी जा सकती। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी आंदोलन की सफलता केवल उसके नेता की लोकप्रियता पर निर्भर नहीं करती। यदि स्थानीय समाज सक्रिय रूप से उसके साथ नहीं जुड़ता, तो आंदोलन की गति सीमित हो सकती है। वहीं यदि जनता व्यापक रूप से उसके साथ खड़ी हो, तो मीडिया चाहे जितना मौन रहे, आंदोलन अपनी दिशा स्वयं बना लेता है। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर अनेक सामाजिक आंदोलनों तक यही अनुभव सामने आया है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मीडिया किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन केवल उसके चर्चित चेहरे के आधार पर न करे। उसे यह भी देखना चाहिए कि उस आंदोलन से स्थानीय लोग कितनी संख्या में जुड़े हैं, उनके जीवन पर उसका क्या प्रभाव पड़ रहा है और उनके भीतर उसके प्रति कितना विश्वास है। इसी प्रकार किसी आंदोलन के आलोचकों को भी तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए, न कि केवल भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के आधार पर। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार उतना ही महत्वपूर्ण है जितना समर्थन का। यदि कोई व्यक्ति सरकार की नीतियों की आलोचना करता है, तो उसे अपनी बात रखने का अधिकार है। उसी प्रकार यदि समाज का कोई वर्ग उसकी बात से असहमत है, तो उसे भी अपनी राय रखने का समान अधिकार है। लोकतांत्रिक परंपरा का अर्थ ही यही है कि विभिन्न मत सम्मानपूर्वक सामने आएँ और जनता स्वयं निर्णय करे। लद्दाख जैसे संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र में विकास, पर्यावरण, सुरक्षा और स्थानीय पहचान के प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन विषयों पर गंभीर और तथ्याधारित चर्चा होनी चाहिए। यदि पूरा विमर्श केवल किसी एक व्यक्ति के समर्थन या विरोध तक सीमित हो जाए, तो वास्तविक समस्याएँ पीछे छूट जाती हैं। इससे न समाज का भला होता है और न ही लोकतंत्र का। आज डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर किसी भी विषय को लेकर कुछ ही घंटों में राष्ट्रीय अभियान चलाया जा सकता है। हैशटैग ट्रेंड होने लगते हैं, वीडियो वायरल हो जाते हैं और यह भ्रम पैदा हो सकता है कि पूरा देश किसी एक मत पर सहमत है। किंतु वास्तविक जनमत का आकलन केवल डिजिटल गतिविधियों से नहीं किया जा सकता। गाँव, कस्बे, स्थानीय संस्थाएँ, नागरिक संगठन और जनता की प्रत्यक्ष भागीदारी कहीं अधिक महत्वपूर्ण संकेतक हैं। पत्रकारिता का मूल धर्म सत्ता से प्रश्न पूछना है, लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि वह आंदोलनों और उनके नेताओं से भी प्रश्न पूछे। यदि पत्रकारिता केवल किसी एक पक्ष की प्रवक्ता बन जाए, तो उसकी विश्वसनीयता कम हो जाती है। लोकतंत्र में मीडिया की सबसे बड़ी पूँजी उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता है। आज आवश्यकता संतुलित विमर्श की है। किसी भी व्यक्ति को देवता बनाना भी उचित नहीं और बिना पर्याप्त तथ्यों के उसे पूरी तरह खारिज कर देना भी लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित नहीं है। व्यक्तियों से अधिक महत्वपूर्ण वे मुद्दे हैं जिनके लिए वे आवाज़ उठाते हैं। यदि मुद्दे सही हैं, तो उन पर चर्चा होनी चाहिए; यदि तर्क कमजोर हैं, तो उनकी आलोचना भी तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए। अंतत: लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता करती है। मीडिया केवल सूचना का माध्यम हो सकता है, निर्णय का स्थानापन्न नहीं। सोशल मीडिया किसी व्यक्ति को प्रसिद्ध बना सकता है, लेकिन स्थायी सम्मान वही प्राप्त करता है जिसे समाज का विश्वास मिलता है। इसलिए किसी भी आंदोलन का मूल्यांकन कैमरों की संख्या, व्यूज़, लाइक या ट्रेंडिंग हैशटैग से नहीं, बल्कि उसके वास्तविक जनाधार, स्थानीय सहभागिता, लोकतांत्रिक स्वीकार्यता और समाज पर पड़े प्रभाव से किया जाना चाहिए। लोकतंत्र का भविष्य भी इसी संतुलन में सुरक्षित है-जहाँ मीडिया तथ्य प्रस्तुत करे, समाज विवेक से निर्णय ले और किसी भी व्यक्ति या आंदोलन का मूल्यांकन प्रचार नहीं, बल्कि प्रमाण और जनविश्वास के आधार पर किया जाए। यही स्वस्थ लोकतांत्रिक संस्कृति की पहचान है और यही पत्रकारिता का वास्तविक दायित्व भी।

दतिया उपचुनाव: कोई भी जीते, हारेंगे नरोत्तम

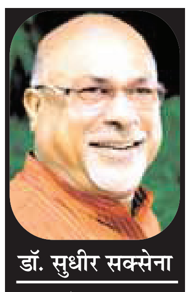

डॉ. सुधीर सक्सेना

स्वतंत्र पत्रकार

दतिया में मतदान सन्निकट है। कहने को यह चुनाव दोनों प्रमुख दलों-कांग्रेस और भाजपा के बीच हो रहा है, लेकिन आजाद समाज पार्टी ने आमने-सामने की सीधी लड़ाई को पेचीदा त्रिकोणीय संघर्ष में बदलकर हार-जीत के समीकरणों को गड़बड़ा दिया है। आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी दामोदर सिंह यादव के पेशगी तैयारी से मैदान में उतरने से संशय गहरा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सजातीय होने से अनेक लंतरानियां हवा में तैर रही हैं। चुनावी ऊंट की करवट को दादा (नरोत्तम मिश्र) की मौन मनौती से जोड़कर भी देखा जा रहा है। इसे हरेक अपने-अपने तरीके से बूझ रहा है। वस्तुत: डॉ. नरोत्तम मिश्र की स्थिति तलवार की धार पे धावनों सरीखी हो गयी है। बीजेपी की जय और पराजय दोनों ही स्थितियों में उनके लिये नफा, कम, नुकसान ज्यादा का खतरा सन्निहित है। डॉ. नरोत्तम मिश्र इस सामंती इलाके में 'दादा' के संबोधन से नवाजे जाते हैं। यह संबोधन उनकी हैसियत और छवि दोनों की चुगली करता है। इसमें आदर और दबंगई का ऐसा घोल है, जिसमें दोनों को पृथक्कृत नहीं किया जा सकता। इलाके में उनकी लोकप्रियता भी है और दबदबा भी। वह पारिवारिक प्रसंगों से लेकर धार्मिक अनुष्ठानों और सामाजिक समारोहों में शिरकत करते रहे हैं। उन्होंने अपनों को कृतार्थ किया तो बैरियों को सबक सिखाया। हाजिरजवाबी और शेरोशायरी से वह जलसों और महफिलों की शान रहे। पार्टी के लिये वह संकटमोचन रहे। उनकी साधन संपन्नता कइयों की ईर्ष्या का विषय बनी। दिल्ली के सत्ता सौध में वह एक अत्यंत प्रभावशाली नेता की नाक का बाल रहे और दिलचस्प तौर पर उन्होंने अपनी नाक के बालों का भी भरपूर खयाल रखा। कमलनाथ-सरकार को गिराने में भी उनकी नेपथ्य में महत्वपूर्ण भूमिका रही। अपने बयानों से वह सुर्खियों में रहे और आचरण से विवादास्पद। सूबे का सीएम बनने की उनकी महत्वाकांक्षा भी किसी से छिपी नहीं रह सकी।

यही वे सन्दर्भ हैं, जो डॉ. नरोत्तम मिश्र को सत्तारूढ़ बीजेपी में अद्वितीय या विशिष्ट बनाते हैं। यही विशिष्ट नरोत्तम इस बार दतिया के उपचुनाव में टिकट से वंचित रहे। दादा का बेटिकट होना दादा के समर्थकों को कितना नागवार गुजरा, यह बीजेपी के नये नवेले उम्मीदवार के नाम का ऐलान होते ही जगजाहिर हो गया। दादा नहीं तो कोई नहीं की रौ में दादा के उग्र समर्थकों ने खूब बवाल काटा। और दादा ...? बेबसी में दादा की आंखों में आंसू तिर आये। अब दादा कुछ बोलें या मौन रहें, मगर ये अबोले आँसू मुखर होकर गुल खिला रखे हैं। उनकी यह बबसी और मायूसी उनके समर्थकों को इस कदर साल रही है कि उन्होंने बीजेपी को सबक सिखाने का मन बना लिया है। दतिया में सामान्य वर्ग में ब्राह्मण सबसे बड़ा वोट बैंक हैं। यह बैंक पहले विभाजित था, किंतु नये परिप्रेक्ष्य में तकरीबन पूरा समुदाय बीजेपी के हाथों से छिटक गया है।

दादा नरोत्तम इस चुनाव में प्रत्याशी नहीं हैं। न तो वह दलीय प्रत्याशी हैं और न ही निर्दल, लेकिन चुनावी-दंगल में उनकी मौजूदगी महसूस की जा रही है। पार्टी ने उनकी गति सांप-छछूंदर सी कर दी है। सुविचारित रणनीति के तहत उन्हें चुनाव प्रचार की कमान सौंपा दी गयी है। कमेटी में इस्तीफा दे चुके उनके समर्थक पदाधिकारी भी हैं। पार्टी के लिये दादा को तन-मन-धन झोंकना होगा। हालाँकि, संभावना नगण्य है, किंतु फर्ज कीजिये कि बीजेपी के आशुतोष जीत जाते हैं, तो सेहरा किसके सिर बँधेगा? पार्टी नेतृत्व की जय-जयकार होगी और स्थानीय राजनीति में दादा हाशिये में सरक जायेंगे। अगले चुनाव में उनका दावा भी कमजोर होगा। यदि उन्हें कोई निगम-मंडल सौंपा भी गया तो उससे उनके रूतबे की भरपाई न होगी। और अगर्चे बीजेपी दतिया का दंगल हारती है, तो ठीकरा दादा के सिर फूटेगा। ऐसे में दादा तिरस्कृत और दंडित होंगे। अवधेश नायक की सक्रियता से कांग्रेस को बल मिला है और विभिन्न नेताओं के बयानों से दादा की निष्ठा संदिग्ध हो रही है। ऐसा नहीं है कि दादा इसे समझ नहीं रहे हैं, मगर वे निरूपाय हैं। उनके ग्रहयोग बुरे चल रहे हैं। दिल्ली के उनके आका भी उनकी टिकट बचा नहीं सके। एक नामालूम सा स्वयं सेवक बाजी मार ले गया। अब दतिया है, दादा हैं और चुनाव हैं। गत चुनाव में दादा करीब सात हजार मतों से हारे थे और करीब इतने ही वोटर एसआईआर में लिस्ट से हटाये गये थे। जब वक्त बुरा हो तो धार्मिक टोटके काम नहीं आते। यह अकारण नहीं है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दतिया में जिताने का जिम्मा लेने से इंकार कर दिया। अब दंगल में उतरे तेईस मल्लों में से जीते कोई एक, मगर दंगल नहीं लड़कर भी हारेंगे दादा नरोत्तम।

किसी के पास है सबूत भारतीय होने का

देखो जी, यह तो पूछा ही जाता है कि भाई कौन हो, कहां के हो। पर फिर सबूत कोई नहीं मांगता। कवि शैलेंद्र ने तो सबूत मांगे जाने से पहले ही सबूत दे दिया था कि-होठों पर सच्चाई रहती है, जहां दिल में सफाई रहती है, हम उस देश के वासी हैं, जिस देश में गंगा बहती है। फिर अपने भारत कुमार अर्थात? मनोज कुमार ने भी पर्दे पर कुछ-कुछ यही दोहराते हुए कहा-भारत का रहने वाला हूं, भारत की बात सुनाता हूं। पता नहीं, कितने ही कवियों और शायरों ने कुछ-कुछ इसी टाइप से अपना परिचय दिया कि गंगा मेरी मां का नाम है, बाप का नाम हिमालय। लेकिन, अब आपको सबूत देना होगा कि आप भारतवासी हैं तो कैसे हैं, सबूत क्या है?

जी, यह मेरा आधार कार्ड है। मैंने बहुत भाग-दौड़ करके बनवाया है। लेकिन आधार कार्ड तो कोई सबूत नहीं है। आजकल बस में, रेल में और हवाई जहाज में यात्रा करने, कहीं धर्मशाला या होटल में ठहरने और बैंक की केवाईसी के अलावा यह कहां काम आता है। तो जी, फिर आपने यह हजारों-करोड़ रुपये खर्च करके इतना तामझाम क्यों खड़ा कर रखा है आधार का। वो छोड़ो। सबूत दो। जी, यह मेरे पास राशन कार्ड है। किस जमाने में रह रहे हो यार। इसे तो अब पहचान का दस्तावेज भी नहीं माना जाता। आजकल यह सिर्फ गरीबों के पास रह गया है और फ्री का राशन लेने के काम आता है। कहीं तुम लाभार्थी तो नहीं हो?

खैर सबूत दो। जी यह मेरा ड्राइविंग लाइसेंस है। ड्राइविंग लाइसेंस! भैया यह सिर्फ गाड़ी चलाने के काम आता है। यह सबूत थोड़े ही है। जी, यह मेरा बिजली का बिल है। बिजली का बिल है तो जाकर भरो और मुझे सबूत दिखाओ। जी, सबूत ही दिखा रहा हूं। नहीं, यह सबूत नहीं है, यह सिर्फ बिल भरने के काम आता है। तुम्हारे यहां स्मार्ट मीटर तो है न। कहीं बिजली की चोरी तो नहीं कर रहे! अरे नहीं जनाब! खैर, सबूत क्या है। जी यह मेरे जमीन के, मकान के कागज हैं। क्या खुराना के ऑफिस से आए हो। जी, कौन खुराना? अरे वही, खोसला का घोसलावाला, जो ज़मीन-जायदाद के फर्जी कागज बनाता था। जी, यह फर्जी नहीं है। इसका क्या सबूत है।

देखो सबूत दिखाओ यार। जी यह मेरा पार्सपोर्ट है। पासपोर्ट? अरे भैया यह सिर्फ यात्रा का दस्तावेज है। अदालत का फैसला सुना नहीं क्या तुमने? इसे हटाओ यहां से और सबूत दो। जी यह मेरा मतदाता पहचान-पत्र है। अरे सारा पंगा तो इसी का है। यह मान्य नहीं, नया बनवाओ। लाओ पिछले एसआईआर का रिकॉर्ड दिखाओ, क्या उसमें तुम्हारे माता-पिता का नाम था? चलो अपने माता-पिता का जन्म प्रमाणपत्र लाओ, अपना जन्म प्रमाणपत्र लाओ। सबूत ऐसे ही थोड़े मिल जाएगा। नहीं?

– सहीराम

मेरा हक, मेरा सपना, मेरा लोकतंत्र: अब और इंतजार नहीं

कृति आरके जैन

शिक्षाविद

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना यह नहीं कि महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देर से मिला, बल्कि यह है कि कानून बनने के बाद भी उसका लाभ आज तक नहीं मिला। संविधान (106वाँ संशोधन) अधिनियम, 2023 पारित और अप्रैल 2026 में अधिसूचित हो चुका है, फिर भी उसका क्रियान्वयन जनगणना और परिसीमन तक टला है। 20 जुलाई 2026 से जंतर-मंतर पर प्रस्तावित अनिश्चितकालीन धरना केवल आंदोलन नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से सीधा सवाल है जिसने अधिकार तो दिया, पर उसे लागू नहीं किया। आंदोलनकारी महिलाओं का स्पष्ट संदेश है-'हमें भविष्य की संसद का आश्वासन नहीं, वर्तमान की संसद में अपना संवैधानिक स्थान चाहिए।' यह केवल महिलाओं की पुकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र के अधूरे वादे की गूंज है।

संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का मार्ग खोला और इसे भारतीय राजनीति का ऐतिहासिक मोड़ माना गया। अप्रैल 2026 में अधिसूचना जारी होने के बावजूद इसका क्रियान्वयन अगली जनगणना और उसके बाद होने वाले परिसीमन से जोड़ दिया गया। यानी अधिकार संविधान में दर्ज है, लेकिन उसका लाभ अब भी टला हुआ है। यही कारण है कि महिला संगठनों का आक्रोश बढ़ रहा है। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता शबनम हाशमी सहित अनेक महिला नेताओं का सवाल है-क्या आधी आबादी को आज भी लोकतंत्र में 'दूसरी श्रेणी का नागरिक' मानकर इंतजार कराया जाएगा? यदि समान अधिकार संवैधानिक संकल्प है, तो उसका क्रियान्वयन भी बिना विलंब होना चाहिए। इस देरी के पीछे केवल संवैधानिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि राजनीतिक गणित भी है। 2021 की जनगणना अब तक नहीं हुई, जबकि उसके बाद का परिसीमन देश का राजनीतिक संतुलन बदल सकता है। अनुमान है कि लोकसभा की सीटें 543 से बढ़कर लगभग 850 हो सकती हैं। इससे उत्तर भारतीय राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण में सफल दक्षिणी राज्यों की हिस्सेदारी घटने की आशंका है। इसी कारण अप्रैल 2026 में लाए गए 131वें संविधान संशोधन और परिसीमन विधेयक पर विवाद गहरा गया। विपक्ष इसे राजनीतिक रणनीति मानता है, जबकि महिला संगठनों का आरोप है कि महिला आरक्षण को परिसीमन से जोड़कर उसका क्रियान्वयन टाल दिया गया। प्रक्रियाएं आवश्यक हैं, लेकिन जब वे अधिकारों में बाधा बनें, तो उन पर पुनर्विचार भी आवश्यक हो जाता है। इस देरी की सबसे बड़ी कीमत देश की महिलाएं चुका रही हैं। आज लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व 14 प्रतिशत से कम और राज्य विधानसभाओं में औसतन 10 प्रतिशत है। आरक्षण लागू होते ही सैकड़ों महिलाएं राष्ट्रीय नीति-निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। पंचायतों और नगरीय निकायों में 50 प्रतिशत तक आरक्षण सिद्ध कर चुका है कि महिलाओं की भागीदारी से शासन अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और जनहितकारी बनता है। जल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और महिला सुरक्षा जैसे मुद्दों को नई प्राथमिकता मिली है। जब गांव से नगर तक महिलाएं नेतृत्व क्षमता साबित कर चुकी हैं, तब संसद के द्वार उनके लिए प्रतीक्षा का प्रतीक बने रहना लोकतंत्र की बड़ी विडंबना है। इस पृष्ठभूमि में महिला आरक्षण के लिए राष्ट्रीय गठबंधन सहित अनेक महिला संगठनों की मांग केवल राजनीतिक आग्रह नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक न्याय की अपेक्षा है। उनका कहना है कि सरकार यदि महिला सशक्तीकरण के प्रति प्रतिबद्ध है, तो वर्तमान लोकसभा और विधानसभाओं में आरक्षण लागू कर जनगणना व परिसीमन की शर्त हटाए। साथ ही अन्य पिछड़ा वर्ग, दलित, आदिवासी व अन्य वंचित वर्गों की महिलाओं के लिए उप-आरक्षण सुनिश्चित हो। वे चुनावी व्यय में सरकारी सहायता और महिलाओं के नाम पर पुरुष रिश्तेदारों द्वारा संचालित 'प्रतिनिधि राजनीति' पर रोक की मांग कर रहे हैं। इसी मांग को लेकर महिला संगठन मानसून सत्र में संवैधानिक संशोधन, जंतर-मंतर पर धरना और देशभर में जनजागरण अभियान की घोषणा कर चुके हैं। वास्तव में यह संघर्ष कुछ सीटों का नहीं, लोकतंत्र की आत्मा का है। लोकतंत्र की मजबूती केवल मतदान नहीं, निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी से तय होती है। शिक्षा, विज्ञान, न्यायपालिका, सेना, उद्योग, कृषि, प्रशासन और अंतरिक्ष में क्षमता सिद्ध कर चुकी महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को प्रशासनिक प्रक्रियाओं के नाम पर टालना लोकतांत्रिक न्याय के विपरीत है। अनेक लोकतंत्रों ने सिद्ध किया है कि नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी से शासन अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह बनता है। इसलिए महिला आरक्षण केवल 'महिला मुद्दा' नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समावेशी शासन, आर्थिक विकास और लोकतांत्रिक संतुलन का प्रश्न है। आधी आबादी की आवाज निर्णय प्रक्रिया में बराबरी से न सुनी जाए, तो विकास अधूरा रहेगा।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती कानून बनाना नहीं, उस पर विश्वास बनाए रखना है। यदि संवैधानिक अधिकार वर्षों तक लागू न हों, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि वे अधिकार हैं या केवल राजनीतिक घोषणा। जनगणना और परिसीमन आवश्यक संवैधानिक प्रक्रियाएं हैं, लेकिन उन्हें महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी की शर्त बना देना संविधान की समान अवसर की भावना के अनुरूप नहीं है। राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, तो ऐसा समाधान संभव है जिससे जनगणना और परिसीमन समय पर हों और महिलाओं का संवैधानिक अधिकार प्रतीक्षा का शिकार न बने। लोकतंत्र की विश्वसनीयता अधिकार टालने में नहीं, उन्हें समय पर लागू करने के साहस में निहित है। अब समय केवल निर्णय का नहीं, लोकतांत्रिक संकल्प निभाने का है। 20 जुलाई से जंतर-मंतर पर शुरू आंदोलन किसी सरकार के विरोध का नहीं, बल्कि समान अधिकारों की लोकतांत्रिक पुकार है। यदि भारत 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करना चाहता है, तो आर्थिक प्रगति के साथ राजनीतिक समानता भी सुनिश्चित करनी होगी। महिलाओं को प्रतीक्षा नहीं, नेतृत्व का अधिकार चाहिए। लोकतंत्र की सार्थकता कानून बनाने में नहीं, उसे समय पर लागू करने में है। आधी आबादी अब मौन दर्शक नहीं, समान अधिकार, सम्मान और प्रतिनिधित्व की दावेदार है। इतिहास गवाह है-अधिकार जितनी देर से मिलते हैं, लोकतंत्र उतना कमजोर होता है।

गुरु अस्त होने से भड़ली नवमी पर नहीं होंगे विवाह

22 जुलाई को रहेगा अबूझ मुहूर्त, लेकिन मांगलिक कार्य वर्जित

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

हिंदू धर्म में आषाढ़ शुक्ल पक्ष की भड़ली नवमी को वर्ष के प्रमुख अबूझ मुहूर्तों में माना जाता है। सामान्यतः इस दिन बिना पंचांग या विशेष मुहूर्त देखे विवाह सहित अन्य शुभ एवं मांगलिक कार्य किए जाते हैं। लेकिन इस वर्ष गुरु (बृहस्पति) तारा अस्त होने के कारण भड़ली नवमी पर भी विवाह और अन्य मांगलिक संस्कार नहीं होंगे।

ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा के अनुसार, हिंदू पंचांग और ज्योतिष शास्त्र में गुरु ग्रह को शुभ कार्यों, ज्ञान, सौभाग्य और वैवाहिक जीवन का प्रमुख कारक माना गया है। जब गुरु सूर्य के अत्यधिक निकट आने के कारण अस्त हो जाते हैं, तब उनकी शुभता प्रभावी नहीं मानी जाती। ऐसे में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन और अन्य मांगलिक कार्यों को स्थगित करने की परंपरा है। यही कारण है कि इस बार भड़ली नवमी जैसा अबूझ मुहूर्त भी विवाह के लिए मान्य नहीं रहेगा।

भड़ली नवमी पर बनेंगे शुभ योग

इस दिन भले ही विवाह नहीं होंगे, लेकिन ग्रह-नक्षत्रों का विशेष संयोग रहेगा। भड़ली नवमी पर सिद्धि योग, शिव योग और रवि योग जैसे शुभ योग बन रहे हैं, जिन्हें कार्यों में सफलता और शुभ फल प्रदान करने वाला माना जाता है। धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ, दान-पुण्य और आध्यात्मिक साधना के लिए यह दिन अत्यंत शुभ रहेगा।

25 जुलाई से शुरू होगा चातुर्मास

भड़ली नवमी के बाद देवशयनी एकादशी के साथ 25 जुलाई से चातुर्मास का आरंभ होगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं और अगले चार महीनों तक विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन सहित सभी मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। चातुर्मास को पूजा, व्रत, जप-तप और आध्यात्मिक साधना का विशेष काल माना जाता है।

देवी सिद्धिदात्री की पूजा और कन्या पूजन का विशेष महत्वः-

भड़ली नवमी के दिन देवी के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की आराधना का विशेष महत्व बताया गया है। श्रद्धालु माता को कमल का फूल और मौसमी फल अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। इस दिन 5, 7, 9 या 11 कन्याओं का पूजन भी शुभ माना जाता है। कन्याओं को हलवा, पूरी और काले चने का प्रसाद खिलाकर यथाशक्ति उपहार एवं दक्षिणा देने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता है कि इससे मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा का कहना है कि इस वर्ष भड़ली नवमी का धार्मिक महत्व तो बना रहेगा, लेकिन गुरु अस्त होने के कारण विवाह जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाएंगे। श्रद्धालु इस दिन पूजा-पाठ, दान-पुण्य और देवी आराधना कर शुभ फल प्राप्त कर सकते हैं।

घायल सांड का तांडव, दो घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

दीनदयाल नगर स्थित सिंधिया स्टेच्यू के समीप रविवार को एक घायल सांड ने अचानक उत्पात मचा दिया। घायल होने के कारण सांड काफी आक्रामक हो गया था और सड़क पर इधर-उधर दौड़ने लगा, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही गौ रक्षक एपीएस टीम मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सांड को काबू कर उसका उपचार किया।

गौ रक्षक एपीएस टीम को सूचना मिली थी कि सिंधिया स्टेच्यू के पास एक नंदी घायल अवस्था में घूम रहा है और लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। सूचना मिलते ही टीम करीब 15 मिनट के अंदर मौके पर पहुंच गई। मौके पर पहुंचने के बाद टीम ने देखा कि सांड के शरीर पर चोट के निशान थे और दर्द के कारण वह काफी उग्र व्यवहार कर रहा था। रेस्क्यू टीम ने जैसे ही सांड को सुरक्षित पकड़ने का प्रयास किया, वह तेजी से भागने लगा। उसे नियंत्रित करने के लिए टीम के सदस्यों को काफी देर तक संघर्ष करना पड़ा। इस दौरान सांड को पकड़ने में इस्तेमाल की जा रही रेस्क्यू रिंग भी टूट गई। वहीं सांड को काबू करने के प्रयास में टीम के कुछ सदस्यों को चोटें भी आईं। उनके सिर और पैरों में चोट लगने के बावजूद टीम ने रेस्क्यू अभियान जारी रखा। करीब दो घंटे तक चले अभियान के बाद टीम ने घायल सांड को सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद मौके पर ही उसके घावों की जांच कर प्राथमिक उपचार किया गया। टीम के सदस्यों ने बताया कि सांड के शरीर पर मौजूद चोटों पर दवा लगाई गई और जरूरी उपचार दिया गया। उपचार के बाद जब सांड की स्थिति सामान्य हुई तो उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया।

इंद्रध्वज महामंडल विधान महोत्सव 21 से, निकलेगी रथयात्रा

ग्वालियर। उपनगर किलागेट स्थित सोड़ा का कुआं स्थित श्री वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर में पहली बार 21 से 30 जुलाई तक अष्टानिका महापर्व के अवसर पर इंद्रध्वज महामंडल विधान एवं वीर शासन जयंती महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन वासुपूज्य जैन मंदिर महिला मंडल, दिगंबर जैन मंदिर कमेटी, श्री समयसार विद्या निकेतन एवं युवा जैन मिलन फोर्ट ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में होगा।

प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि विधान का संचालन पंडित जतिश शास्त्री सनावद की मंगल प्रेरणा एवं निर्देशन में होगा। वहीं विधानाचार्य पंडित महेशचंद्र जैन और पंडित अंकुर शास्त्री विधि-विधान संपन्न कराएंगे। महोत्सव का शुभारंभ 21 जुलाई, सोमवार को सुबह 7:30 बजे सौधर्म इंद्र महेशचंद्र जैन के हलवाट खाना रोड स्थित निवास से निकलने वाली भव्य इंद्रध्वज महामंडल विधान रथयात्रा से होगा। रथयात्रा फोर्ट रोड, हजीरा चौराहा, तानसेन नगर, रमटापुरा और लोहामंडी होते हुए वापस सोड़ा का कुआं स्थित श्री वासुपूज्य जैन मंदिर एवं श्री समयसार विद्या निकेतन पहुंचेगी। शोभायात्रा में सबसे आगे हाथी पर पंचरंगी जैन ध्वजा लिए युवक चलेंगे। मुख्य सौधर्म इंद्र, कुबेर यज्ञनायक, इंद्र-इंद्राणी विंटेज कार एवं 21 सुसज्जित बग्घियों में राजसी वेशभूषा में विराजमान होंगे। इस मौके पर महोत्सव की स्मारिका और पत्रिका का विमोचन किया गया।

अच्छी बारिश के लिए हुआ रुद्र स्वाहाकार और पर्जन्य यज्ञ

वैदिक ब्राह्मण संघ, ग्वालियर द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रविवार को सिंधिया देवस्थान न्यास के श्री विट्ठल मंदिर दर्जी ओली में रुद्र स्वाहाकार एवं पर्जन्य यज्ञ का आयोजन श्रद्धा एवं वैदिक विधि-विधान के साथ किया गया। यज्ञ का उद्देश्य जनकल्याण, सुख-समृद्धि तथा पर्याप्त वर्षा की कामना करना रहा। संघ के प्रवक्ता निशिकांत सुरंगे ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत गणेश एवं मातृका पूजन से हुई। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच एक लाख आहुतियां अर्पित की गईं तथा पूर्णाहुति के साथ यज्ञ का समापन हुआ। श्रद्धालुओं ने विश्व शांति, जनकल्याण और

समय पर अच्छी वर्षा की कामना की। इस वर्ष यज्ञ के मुख्य यजमान पियूष कालजंगे रहे। उनके साथ राजोपाध्याय चंद्रकांत शेंडे, चंद्रकांत नेवालकर, राजन पाठक, गौरव नेवालकर, उपेंद्र शिरगांवकर, विवेक पराड़कर एवं प्रकाश कामले सहित अनेक श्रद्धालुओं ने यज्ञ में सहभागिता की।

गोवर्धन लीला अटूट विश्वास का संदेश देती हैः शास्त्री

ग्वालियर। लक्ष्मीगंज स्थित आराधना बैंक्वेट हॉल में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन रविवार को कथा व्यास पंडित घनश्याम शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य गोवर्धन लीला का भावपूर्ण एवं आध्यात्मिक वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को प्रकृति, पर्यावरण और गोवर्धन पर्वत के महत्व का संदेश देते हुए इंद्र पूजा के स्थान पर

गोवर्धन पूजा करने की प्रेरणा दी। जब इंद्र देव ने क्रोधित होकर ब्रज में मूसलाधार वर्षा की, तब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठा अंगुली पर गोवर्धन पर्वत धारण कर समस्त ब्रजवासियों और गौवंश की रक्षा की। उन्होंने बताया कि गोवर्धन लीला केवल एक धार्मिक प्रसंग नहीं, बल्कि यह अहंकार के त्याग, प्रकृति संरक्षण और भगवान के प्रति अटूट विश्वास का संदेश देती है। कथा के दौरान श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से कथा पंडाल को गुंजायमान करते रहे। कथा के समापन पर भगवान की महाआरती की गई तथा श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया।

गायत्री महायज्ञ के साथ कराए संस्कार

गायत्री जागृति केंद्र, सुभाष नगर हजीरा में रविवार को प्रात: देव कन्याओं आचार्या पल्लवी तोमर, जागृति वर्मा एवं कांशीका भदौरिया के सानिध्य में श्रद्धा एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दो कुंडीय गायत्री महायज्ञ संपन्न हुआ। इस अवसर पर पुंसवन संस्कार, जन्मदिवस संस्कार तथा अन्नप्राशन संस्कार भी विधि-विधान से कराए गए। संध्याकाल बंगाली समाज के काली मंदिर में देव कन्याओं के मार्गदर्शन में दीप महायज्ञ का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान दो घंटे का सामूहिक गायत्री मंत्र जाप भी हुआ। दीप यज्ञ के पश्चात वरिष्ठ परिजन रामनारायण राठौर ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रह्मा, विष्णु, महेश, काली, दुर्गा और गायत्री एक ही परम शक्ति के विभिन्न स्वरूप हैं, इसलिए हमें देवताओं में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करना चाहिए। उन्होंने दीप यज्ञ के माध्यम से सभी श्रद्धालुओं को एक बुराई छोड़ने और एक अच्छाई अपनाने का संकल्प भी दिलाया।

मन की शांति ही विश्व शांति की स्थापना का सबसे प्रभावी माध्यम

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा अम्मा महाराज की छत्री परिसर स्थित गार्डन में आयोजित सामूहिक राजयोग ध्यान कार्यक्रम में विश्व शांति एवं मानव कल्याण का संदेश दिया गया। प्रत्येक माह के तृतीय रविवार को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज केंद्र प्रमुख आदर्श दीदी ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व में शांति स्थापित करने का सबसे प्रभावी माध्यम मन की शांति है। जब व्यक्ति अपने भीतर शांति, प्रेम और सकारात्मक भावों को विकसित करता है, तभी परिवार, समाज और पूरे विश्व में

स्थायी शांति का वातावरण बन सकता है।

उन्होंने सभी से प्रतिदिन कुछ समय राजयोग ध्यान का अभ्यास करने का आह्वान किया। प्रहलाद भाई ने कहा कि विश्व परिवर्तन की शुरुआत स्वयं के परिवर्तन से होती है। राजयोग ध्यान व्यक्ति को तनाव, भय और नकारात्मक विचारों से मुक्त कर आत्मिक शक्ति प्रदान करता है। कार्यक्रम के दौरान सभी साधकों ने मौन एवं सकारात्मक चिंतन के साथ विश्व शांति, मानव कल्याण और प्रकृति में संतुलन की कामना करते हुए सामूहिक राजयोग ध्यान किया। इस मौके पर जयंत जपे, बीके रोशनी, बीके पवन, देवेंद्र कुशवाह, सुरेंद्र बैस, गीता तिवारी आदि उपस्थित रहे।

लायंस क्लब ग्वालियर की टीम ने ली शपथ

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

लायंस क्लब ग्वालियर का 66 वां शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। अध्यक्षता वर्ष 2025-26 के अध्यक्ष रामकरण पारीक ने की। तत्पश्चात 2026-27 के अध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल एवं उनकी टीम को शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि कुलभूषण मित्तल, सुनील गोयल ने नवगठित कार्यकारिणी को उनके दायित्वों एवं कर्तव्यों से अवगत कराया । आरएस मदान ने नव-सदस्यों को लायंस परिवार की सदस्यता ग्रहण कराई। समारोह में मनमोहक म्यूजिकल नाइट के साथ हास्य कार्यक्रम विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। संचालन पल्लवी अग्रवाल एवं सविता अग्रवाल ने और आभार पुनीत अग्रवाल ने व्यक्त किया। इस अवसर पर अनुपम तिवारी, कैलाश अग्रवाल, दीपक बत्रा, दीपक सिंघल, जगदीश मित्तल, राकेश अग्रवाल, जीएल भोजवानी,ओएन कौल, सत्येन्द्र गुप्ता, एसके जैन, अशोक सक्सेना, केदारनाथ गुप्ता, केशव वैश्य, संदीप जैन, पीसी माथुर, समीर अग्रवाल, जगदीश अग्रवाल, नीरज गर्ग उपस्थित रहे।

उतना ही लो थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में

ग्वालियर। लायंस क्लब ग्वालियर दिशा का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को आयोजित किया गया। इस मौके पर क्लब के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। इस मौके पर अतिथियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए क्लब को सेवा कार्यों में और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने का आह्वान किया। समारोह का एक विशेष आकर्षण क्लब द्वारा 'अन्न बचाओ अभियान' के अंतर्गत तैयार की गई लघु टेली फिल्म 'अन्न का करो सम्मान' का प्रदर्शन रहा। फिल्म के माध्यम से लोगों को भोजन की बर्बादी रोकने का संदेश दिया गया। अभियान का संदेश था 'उतना ही लो थाली में, व्यर्थ न जाए नाली में'। इस अवसर पर आशुतोष वशिष्ठ, सुधीर वाजपेयी, सीएस तोमर, सलिल गुप्ता, अजय सप्रा, मनीष बांदिल आदि उपस्थित रहे।

पांच वार्डों में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

प्रदेश आज भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार एवं गुण्डाराज में अव्वल स्थान पर है, क्योंकि सरकार सोई हुई है। भाजपा को जनता की परेशानियां नही दिखती और न ही देखना चाहती है। प्रदेश में पिछ्डो, दलितों एवं गरीबों पर रोजाना अत्याचार हो रहे है और सरकार एवं प्रशासन केवल लीपा-पोती में लगी हुई है। यह विचार रविवार को विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने वार्ड क्रमांक 18, 23, 30, 58 एवं

59 के कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में व्यक्त किए। वार्ड 58 का सम्मेलन हिल व्यू अपार्टमेंट हरिशंकरपुरम, वार्ड 59 का ऊषा कॉवेंट स्कूल नाकाचन्द्रवदनी, वार्ड 30 का होटल द वैलव्यू पटेल नगर सिटी सेंटर, वार्ड 18 का राज राजेश्वरी गार्डन आदित्यपुरम एवं वार्ड 23 का कार्यकर्ता सम्मेलन शिवम वाटिका श्रीनगर कॉलोनी मुरार में आयोजित किया गया। कांग्रेस ने देश में अनेक क्रांतिकारी कदम उठाकर देश को विकास व प्रगति के पथ पर आगे ले जाने का काम किया। वहीं भाजपा के नेता जनता को गुमराह करने का काम कर रहे है। प्रदेश प्रवक्ता राम पाण्डे, सेवादल जिलाध्यक्ष हरेन्द्र गुर्जर, राजेश तोमर, अनूप शिवहरे, रेखा जाटव, संदीप यादव, उत्तम सिंह कुशवाह, रामअवतार जाटव, नरेन्द्र सिंह, अनिल शर्मा 'बिट्टू', हिमांशु कीकन, मयंक झा, ऊदल सिंह, गौरव तिवारी, दलबीर बौहरे, रेनू चौहान, डॉ. रविन्द्र सिंह कुशवाह आदि उपस्थित रहे।

सौ से अधिक ने ली सदस्यता

वार्ड क्रमांक 23 में हुए कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम में सौ से अधिक महिला-पुरूषों ने कांग्रेस पार्टी की रीति-नीति से प्रभावित होकर विधायक डॉ. सतीश सिकरवार के नेतृत्व में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

रेत के ढेर पर चढ़कर पलटी तेज रफ्तार कार, युवक की मौत

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

भितरवार-डबरा मुख्य मार्ग पर विकास होटल के पास शनिवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मुख्य सड़क पर अवैध रूप से रखे रेत के बड़े ढेर के कारण एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार चला रहे युवक मनीष गुर्जर की मौत हो गई।

पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ग्राम बागवई निवासी मनीष गुर्जर (30), पुत्र महेंद्र सिंह गुर्जर, देर रात अपनी कार से भितरवार से घर लौट रहे थे। डबरा-भितरवार

मुख्य मार्ग पर जवाहर वेयरहाउस एवं भितरवार प्रवेश द्वार के पास सड़क किनारे रेत का बड़ा ढेर रखा हुआ था। कार की रफ्तार अधिक होने के कारण चालक को अंधेरे में रेत का ढेर दिखाई नहीं दिया। कार सीधे रेत के ढेर पर चढ़ गई और बिजली के खंभे से टकराकर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे। लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद मनीष को कार से बाहर निकाला, लेकिन सिर और शरीर में गंभीर चोटें आने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। उन्हें पहले भितरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन उन्हें निजी एंबुलेंस से ग्वालियर ले गए, जहां चिकित्सकों ने भी उन्हें मृत घोषित कर दिया।

नशा मुक्ति अभियान 2.0: वाहनों पर जागरूकता पोस्टर किए चस्पा

ऑटो चालकों को संदेश वाहक बनाकर नशा मुक्ति की दिलाई शपथ

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

15 दिवसीय नशे से दूरी है जरूरी 2.0 जन-जागरूकता अभियान के पांचवे दिन विद्यालय, सार्वजनिक स्थानों, झुग्गी-झोपड़ी बस्ती और ऑटो चालकों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया और नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इसके अलावा जागरुकता संबंधी पोस्टर भी चस्पा किए।

शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थल महाराज बाड़ा पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाराज बाड़ा पर खड़े ऑटो एवं टमटम वाहनों पर नशामुक्ति संबंधी जनजागरूकता पम्पलेट चस्पा किए। साथ ही वाहन चालकों, यात्रियों एवं आम नागरिकों से संवाद स्थापित कर उन्हें नशे के दुष्प्रभावों, सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों तथा नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें, अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय

सहयोग प्रदान करें। इसी तरह थाना जनकगंज पुलिस द्वारा हनुमान चौराहे पर खड़े ऑटो एवं टमटम वाहनों पर नशामुक्ति संबंधी जनजागरूकता पम्पलेट चस्पा किए गए। साथ ही वाहन चालकों, यात्रियों एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों, उससे होने वाली सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी हानियों के बारे में जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने की समझाइश दी गई।

सार्वजनिक स्थलों पर चलाया जागरूकता अभियान

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत थाना मुरार पुलिस द्वारा शासकीय अनुसूचित जाति बालिका छात्रावास, मुरार में नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सीएसपी मुरार संदीप बांगरे ने छात्राओं को संबोधित करते हुए नशे के दुष्प्रभावों, उससे होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के उज्वल भविष्य, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, इसलिए युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे जैसी सामाजिक बुराई से सदैव दूर रहना चाहिए तथा अपने मित्रों एवं परिजनों को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। थाना इंदरगंज पुलिस द्वारा डीडी मॉल परिसर में नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों, उससे होने वाली सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी हानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा सभी से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवनशैली अपनाने की अपील की।

ग्वालियर के तैराकों ने जीते 14 पदक

ग्वालियर। इंदौर महू नाका स्थित लक्ष्मण चौहान तरण पुस्कर में 16 से 18 जुलाई तक आयोजित की गई 54वीं मप्र राज्य स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में ग्वालियर के तैराकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 स्वर्ण तथा 3 रजत पदक सहित कुल 14 पदकों को अपने नाम किया। यह जानकारी तैराकी संघ के अध्यक्ष प्रेमनारायण गुप्ता एवं सचिव राजेन्द्र उपाध्याय ने संयुक्त रूप से दी। संघ के मुख्य प्रशिक्षक एवं नेवल एनसीसी ऑफिसर सचिन पाल ने बताया कि ग्वालियर के खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों और श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। धैर्या साहू (अंडर 9-10 गर्ल्स) ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 100 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण पदक, 200 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत पदक और 100 मीटर बटरफ्लाई में भी रजत पदक जीता। वहीं, माहिका पाल (अंडर 13-14 गर्ल्स) ने 100 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन कर रजत पदक , दित त्रिपाठी (अंडर-14 बॉयज) ने 200 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में कड़े मुकाबले के बीच कांस्य पदक जीता। नंदिश शर्मा (अंडर 13-14 बॉयज)ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। अंडर 9-10 गर्ल्स रिले टीम इवेंट में धैर्या साहू, डिंपल कंवर, शन्या भारद्वाज और शिविका मारवाड़ी की चौकड़ी ने 4×50 मीटर फ्रीस्टाइल रिले और 4×50 मीटर मेडली रिले, दोनों स्पर्धाओं में कांस्य पदक जीते और शहर का नाम रोशन किया।

निवेश और बच्चे के लिए बुने गए सपने में तालमेल जरूरी

माता-पिता अपने बच्चे के सुनहरे भविष्य के लिए जो सपना देखते हैं, उसके लिए प्रयास बच्चे के जन्म के साथ ही शुरू हो जाना चाहिए। अच्छी शिक्षा, करियर और अन्य बड़े लक्ष्यों के लिए केवल बचत नहीं, बल्कि निवेश और वित्तीय लक्ष्य के बीच सही तालमेल जरूरी है। अलग-अलग लक्ष्यों के हिसाब से निवेश रणनीति तय करनी चाहिए। इसका चुनाव बच्चे की उम्र, लक्ष्य, जोखिम उठाने की क्षमता और परिवार की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखकर किया जाए, तभी भविष्य के लिए मजबूत वित्तीय नींव तैयार होगी।

सबसे पहले तय करें निवेश का लक्ष्य

निवेश शुरू करने से पहले यह स्पष्ट होना चाहिए कि पैसा किस उद्देश्य के लिए जमा किया जा रहा है। यदि अगले तीन से पांच वर्षों में स्कूल फीस, कोचिंग या अन्य खर्च के लिए धन चाहिए तो निवेश का तरीका अलग होगा। वहीं, यदि लक्ष्य 15 से 20 वर्ष बाद उच्च शिक्षा या करियर निर्माण के लिए फंड तैयार करना है तो लंबी अवधि के निवेश विकल्प अधिक उपयुक्त होंगे। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बच्चों के लिए कम से कम तीन अलग-अलग लक्ष्य तय किए जाएं- शिक्षा, उच्च शिक्षा और आपातकालीन जरूरतें। इसी के अनुसार निवेश रणनीति तैयार करें।

नियमित निवेश जारी रखें

अक्सर देखने में आता है कि कई अभिभावक कुछ अंतराल के बाद किसी निवेश योजना में पैसा जमा करना बंद कर देते हैं या रकम को निकाल लेते हैं। ऐसा करना सबसे बड़ी गलतियों में से एक है। लंबी अवधि में नियमित निवेश अधिक महत्वपूर्ण होता है, इसलिए किसी भी योजना में नियमित निवेश जारी रखें। इसके साथ ही हर वर्ष निवेश पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए ताकि लक्ष्य के अनुसार रिटर्न का आंकलन किया जा सके।

छोटी अवधि के निवेश सावधि जमा (एफडी)

बच्चे के नाम पर या अभिभावक के साथ संयुक्त रूप से एफडी कराई जा सकती है। जिन परिवारों को पूंजी की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण लगती है, उनके लिए यह उपयुक्त विकल्प माना जाता है। एफडी शिक्षा शुल्क, स्कूल प्रवेश या पांच वर्ष तक की जरूरतों के लिए उपयोगी हो सकती है। इसमें परिपक्वता अवधि के अनुसार 6 से 8.5 फीसदी तक ब्याज मिलता है।

बैंक रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी)

यदि माता-पिता हर महीने छोटी राशि जमा करना चाहते हैं तो आरडी एक आसान विकल्प है। इसमें हर महीने तय रकम जमा करनी होती है और अवधि पूरी होने पर ब्याज सहित राशि मिल जाती है। इसमें सालाना 6 प्रतिशत-8 प्रतिशत ब्याज मिलता है। इसका लाभ यह है कि निवेश सुरक्षित रहता है और बाजार के उतार-चढ़ाव का प्रभाव नहीं पड़ता।

कैसे निवेश करें: किसी भी बैंक शाखा या डाकघर के माध्यम से निवेश किया जा सकता है। ऑनलाइन माध्यम से भी एफडी या आरडी खाता खोला जा सकता है।

लंबी अवधि के निवेश विकल्प

1. सुकन्या समृद्धि योजना

बेटियों के लिए यह सबसे लोकप्रिय सरकारी बचत योजनाओं में से एक है। इसमें माता-पिता बेटी के नाम पर खाता खुलवा सकते हैं और हर वर्ष निर्धारित सीमा तक निवेश कर सकते हैं। इस योजना की विशेषता यह है कि सरकार द्वारा निर्धारित आकर्षक ब्याज मिलता है और कर लाभ भी उपलब्ध हैं। बेटी की उच्च शिक्षा और विवाह जैसे दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए यह एक प्रभावी विकल्प माना जाता है।

2. पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

माता-पिता अपने नाबालिग बच्चे के नाम पर पीपीएफ खाता खुलवा सकते हैं। 15 वर्ष की अवधि वाली यह योजना सुरक्षित निवेश के साथ कर लाभ भी प्रदान करती है। पीपीएफ उन परिवारों के लिए अच्छा विकल्प है जो जोखिम कम रखना चाहते हैं और लंबी अवधि में स्थिर वृद्धि चाहते हैं।

कैसे निवेश करें : पीपीएफ या सुकन्या खाता खोलने के लिए डाकघर या अधिकृत बैंक शाखा में जाएं। आवश्यक दस्तावेज जमा करें। प्रारंभिक जमा राशि के साथ खाता खोलें।

3. म्यूचुअल फंड एसआईपी

बच्चों के भविष्य के लिए दीर्घकालिक निवेश की बात हो तो एसआईपी के माध्यम से इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश को सबसे प्रभावी विकल्पों में गिना जाता है। यदि बच्चे के जन्म से ही हर महीने 2,000 से 5,000 रुपए का निवेश शुरू किया जाए और उसे 15 से 20 वर्षों तक जारी रखा जाए, तो चक्रवृद्धि का लाभ बड़ी पूंजी तैयार कर सकता है।

कैसे निवेश करें: किसी म्यूचुअल फंड प्लेटफॉर्म या एएमसी के माध्यम से केवाईसी पूरी करें। बैंक खाता लिंक करें। मासिक निवेश राशि तय करें। ऑटो-डेबिट सुविधा सक्रिय करें।

5. सोने में निवेश कितना सही

पारंपरिक रूप से भारतीय परिवार बच्चों के लिए सोना खरीदते रहे हैं। आज भौतिक सोने के बजाय गोल्ड ईटीएफ, डिजिटल गोल्ड या इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीट (ईजीआर) जैसे विकल्प भी उपलब्ध हैं। हालांकि, वित्तीय योजनाकार सलाह देते हैं कि बच्चों की शिक्षा के लिए बनने वाले मुख्य फंड का अधिकांश हिस्सा केवल सोने में नहीं होना चाहिए।

कैसे निवेश करें

गोल्ड ईटीएफ में निवेश करने के लिए डीमैट खाता खुलवाना अनिवार्य है। माता-पिता या अभिभावक अपने नाम से खाता खुलवाकर बच्चों के लिए निवेश शुरू कर सकते हैं।

विशेषज्ञ ने बताए 5 जरूरी नियम

शादी से पहले पैसों पर खुलकर करें बात, तभी मजबूत होगा रिश्ता

कर्ज, खर्च, बचत, बीमा और भविष्य की योजनाओं पर पहले ही बनाएं सहमति, आर्थिक पारदर्शिता से बढ़ता है भरोसा और लंबे समय तक टिकता है रिश्ता

कहते हैं कि प्यार दो दिलों को करीब लाता है, लेकिन किसी रिश्ते को लंबे समय तक मजबूत बनाए रखने में आर्थिक समझ और पारदर्शिता की भी उतनी ही अहम भूमिका होती है। हालिया विश्लेषण के अनुसार, छिपाए गए कर्ज, अलग-अलग खर्च करने की आदतें और पैसों को लेकर होने वाले विवाद धीरे-धीरे रिश्तों को कमजोर कर देते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट नितिन कौशिक का कहना है कि पैसों को लेकर होने वाले मतभेद कई बार रिश्तों में दूरी या अलगाव की सबसे बड़ी वजह बन जाते हैं। उन्होंने सामाजिक माध्यम एक्स पर साझा किए गए अपने विचारों में बताया कि विवाह से पहले होने वाले दंपती को आर्थिक मामलों पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी तरह की गलतफहमी या तनाव पैदा न हो।

उनका कहना है कि आर्थिक मामलों में तालमेल का अभाव किसी भी रिश्ते को उतनी ही तेजी से कमजोर कर सकता है, जितनी तेजी से आपसी विश्वास की कमी। कई बड़े वैवाहिक विवादों की जड़ रोजमर्रा की छोटी बातें नहीं, बल्कि छिपाए गए कर्ज, देनदारियां और आर्थिक अपेक्षाएं होती हैं।

इन 5 बातों पर जरूर करें चर्चा

1. **कर्ज और आर्थिक जिम्मेदारियों की पूरी जानकारी दें:** यदि किसी पर ऋण, उधारी, क्रेडिट कार्ड का बकाया या परिवार से जुड़ी आर्थिक जिम्मेदारियां हैं तो उन्हें विवाह से पहले ही स्पष्ट रूप से साझा करें। विशेषज्ञ के अनुसार बिना आर्थिक पारदर्शिता के रिश्ते की शुरुआत करना भविष्य के लिए जोखिम पैदा कर सकता है।
2. **आय और खर्च का तरीका पहले तय करें** घर का खर्च किस प्रकार चलेगा, यह पहले ही तय कर लें। संयुक्त बैंक खाता रखना है, अलग-अलग खाते रखने हैं या दोनों व्यवस्था अपनानी है, इस पर स्पष्ट सहमति बनाना जरूरी है।
3. **विवाह के बाद आर्थिक जोखिम भी साझा होते हैं:** शादी के बाद किसी एक की नौकरी जाने, बीमारी या अन्य आपात स्थिति का असर दोनों पर पड़ता है। इसलिए शुरुआत से ही स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा जैसी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए।
4. **भविष्य के लक्ष्यों में हो समान सोच:** घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा, निवेश और सेवानिवृत्ति जैसी योजनाओं को लेकर दोनों की प्राथमिकताएं एक जैसी होना जरूरी है। यदि एक व्यक्ति केवल वर्तमान पर खर्च करना चाहता है और दूसरा भविष्य के लिए बचत करना चाहता है, तो आगे चलकर मतभेद बढ़ सकते हैं।
5. **आपातकालीन निधि जरूर बनाएं:** विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि दंपती को कम से कम छह महीने के आवश्यक खर्च के बराबर राशि की संयुक्त आपातकालीन निधि तैयार रखनी चाहिए। इससे अचानक आने वाली आर्थिक कठिनाइयों का सामना आसानी से किया जा सकता है।
6. **आर्थिक पारदर्शिता से बढ़ता है भरोसा:** नितिन कौशिक का कहना है कि अधिकांश विवाद केवल पैसों को लेकर नहीं होते, बल्कि उनके पीछे जीवन के अलग-अलग मूल्य, अपेक्षाएं और संवाद की कमी होती है। यदि आर्थिक मामलों में शुरुआत से ही पारदर्शिता और आपसी समझ बनी रहे तो रिश्ता अधिक मजबूत, भरोसेमंद और लंबे समय तक टिकाऊ बन सकता है।

सिजेरियन को लेकर ताने नई मां की मानसिक सेहत पर पड़ सकते हैं भारी

सिजेरियन हुआ है, दर्द नहीं झेला तो ममता कहां से आएगी

विशेषज्ञ ने पोस्टपार्टम डिप्रेशन को लेकर किया आगाह

डिलीवरी के बाद ताने और संवेदनहीन टिप्पणियां बढ़ा सकती हैं मानसिक तनाव, परिवार को सहयोग और संवेदनशील व्यवहार अपनाने की सलाह

बच्चे के जन्म के बाद मां को शारीरिक देखभाल के साथ मानसिक सहयोग की भी सबसे ज्यादा जरूरत होती है लेकिन कई महिलाओं को इस दौरान परिवार और रिश्तेदारों से ऐसे ताने सुनने पड़ते हैं, जो उनकी मानसिक सेहत पर गहरा असर डाल सकते हैं। पीडियाट्रिशियन डॉ. रोहित भारद्वाज के अनुसार, डिलीवरी के बाद कही गई संवेदनहीन बातें कई बार पोस्टपार्टम डिप्रेशन का कारण बन सकती हैं।

डॉ. भारद्वाज बताते हैं कि नई मांओं को अक्सर यह सुनना पड़ता है कि सिजेरियन हुआ है, दर्द नहीं झेला, तो ममता कहां से आएगी, तुम्हारा दूध नहीं बन रहा, इसलिए बच्चा रोता है या एक ही बच्चा है, फिर इतनी थकान कैसी?। ऐसी टिप्पणियां महिला का आत्मविश्वास कमजोर करती हैं और उसे अपराधबोध व तनाव की ओर धकेल सकती हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि पोस्टपार्टम डिप्रेशन बच्चे के जन्म के बाद होने वाला एक गंभीर मानसिक स्वास्थ्य विकार है। इस दौरान महिला अत्यधिक उदासी, बार-बार रोना, नींद और भूख में बदलाव, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई तथा बच्चे की देखभाल में रुचि कम होने जैसी समस्याओं का सामना कर सकती है। डॉ. भारद्वाज ने परिवार और रिश्तेदारों से अपील की है कि नई मां को जज करने के बजाय उसका हौंसला बढ़ाएं, भावनाओं को समझें और सहयोग दें। यदि डिलीवरी के बाद लंबे समय तक उदासी, घबराहट या व्यवहार में बदलाव दिखाई दें तो इसे सामान्य मानकर नजरअंदाज न करें। समय पर मनोवैज्ञानिक या चिकित्सकीय सलाह लेने से पोस्टपार्टम डिप्रेशन का प्रभावी उपचार संभव है। नई मां की मानसिक सेहत का ध्यान रखना, शिशु की देखभाल जितना ही महत्वपूर्ण है।

नेल पॉलिश खरीदने से पहले लेबल पर जरूर जांचें ये बातें

हानिकारक रसायनों वाले नेल पॉलिश से हो सकती है एलर्जी, नाखूनों की कमजोरी और हार्मोन संबंधी समस्याएं; खरीदने से पहले लेबल पढ़ना है जरूरी

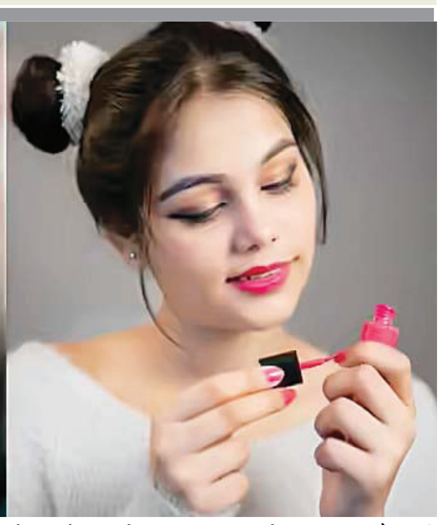

नई दिल्ली। नेल पॉलिश हाथों की खूबसूरती बढ़ाने का सबसे आसान तरीका है, लेकिन हर नेल पॉलिश नाखूनों के लिए सुरक्षित नहीं होती। त्वचा विशेषज्ञ डॉ. श्वेता नखावा के अनुसार, कई नेल पॉलिश में ऐसे रसायन मौजूद होते हैं जो नाखूनों को नुकसान पहुंचाने के साथ त्वचा और स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डाल सकते हैं। इसलिए नेल पॉलिश खरीदते समय उसका लेबल और उसमें इस्तेमाल किए गए तत्वों की जानकारी जरूर पढ़नी चाहिए।

विशेषज्ञों का कहना है कि नेल पॉलिश चुनते समय 5-फ्री, 7-फ्री या फ्री फ्रॉम जैसे लेबल वाले उत्पादों को प्राथमिकता दें। इसका मतलब है कि इनमें कई हानिकारक रसायनों का उपयोग नहीं किया गया है। साथ ही, भरोसेमंद ब्रांड के उत्पाद खरीदें, क्योंकि उनमें सामग्री की जानकारी स्पष्ट रूप से दी जाती है। यदि संभव हो तो पानी आधारित या बच्चों के लिए सुरक्षित लिखे गए नेल पॉलिश का चयन करें। वहीं, जेल नेल पॉलिश और भारी धातुओं वाले ऐक्रेलिक उत्पादों का नियमित उपयोग करने से बचें।

इन रसायनों से रहें सावधान

डॉ. नखावा के अनुसार, नेल पॉलिश खरीदते समय इनमें मौजूद कुछ रसायनों से बचना चाहिए–

फॉर्मेल्डिहाइड : एलर्जी और त्वचा में खुजली का कारण बन सकता है।

टोल्यून : सिरदर्द और चक्कर जैसी समस्या पैदा कर सकता है।

डीबीपी : हार्मोन के संतुलन को प्रभावित कर सकता है।

कैंफर : अधिक मात्रा में होने पर नाखूनों को रूखा बना सकता है।

जाइलीन : आंखों और श्वसन तंत्र में जलन पैदा कर सकता है।

फॉर्मेल्डिहाइड रेजिन : संवेदनशील त्वचा वाले लोगों में एलर्जी का कारण बन सकता है।

नेल पॉलिश लगाने से पहले करें तैयारी

नेल पॉलिश लगाने से पहले पुराने रंग को हटाकर नाखूनों को अच्छी तरह साफ करें। नाखूनों को मनचाहा आकार दें और उनके आसपास की त्वचा पर हल्का मॉइस्चराइज़र लगाएं। इसके बाद सबसे पहले बेस कोट लगाएं, फिर दो से तीन पतली परतों में नेल पॉलिश लगाकर अंत में टॉप कोट का इस्तेमाल करें। इससे रंग लंबे समय तक टिकता है और नाखूनों को अतिरिक्त सुरक्षा मिलती है।

इन गलतियों से बचें

गंदे नाखूनों पर नेल पॉलिश लगाना, रंग को खुरचकर निकालना, लंबे समय तक लगातार नेल पॉलिश लगाए रखना और एसिटोन युक्त रिमूवर का बार-बार इस्तेमाल नाखूनों को कमजोर बना सकता है। यदि नाखून पीले पड़ने लगें, सफेद धब्बे दिखाई दें, खुजली, सूजन या दर्द महसूस हो तो कुछ दिनों तक नेल पॉलिश न लगाएं और जरूरत पड़ने पर त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लें। सुरक्षित उत्पादों का चयन और सही देखभाल ही नाखूनों को लंबे समय तक स्वस्थ और सुंदर बनाए रखती है।

ब्यूटी एंड केयर

'स्किन फास्टिंग' ट्रेंड की सच्चाई, त्वचा विशेषज्ञ ने बताए फायदे, नुकसान

सामाजिक माध्यमों पर इन दिनों स्किन फास्टिंग का ट्रेंड तेजी से चर्चा में है। इस ट्रेंड में कुछ दिनों तक त्वचा पर किसी भी प्रकार का सौंदर्य उत्पाद न लगाने की सलाह दी जाती है, ताकि त्वचा प्राकृतिक रूप से खुद को संतुलित कर सके। हालांकि, त्वचा विशेषज्ञ डॉ. निवेदिता दादू का कहना है कि बिना सही जानकारी के इस ट्रेंड को अपनाना फायदे की बजाय नुकसान पहुंचा सकता है।

डॉ. दादू के अनुसार, त्वचा को रोजाना देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता होती है। ऐसे में सभी उत्पादों का उपयोग अचानक बंद कर देना सही तरीका नहीं है। स्किन फास्टिंग का अर्थ त्वचा की देखभाल छोड़ देना नहीं, बल्कि गैर-जरूरी उत्पादों का उपयोग कुछ समय के लिए कम करना है। इससे त्वचा को राहत मिलती है और यह समझने में भी आसानी होती है कि कौन-सा उत्पाद त्वचा के लिए उपयुक्त है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, यदि कोई व्यक्ति अपनी त्वचा पर एक साथ कई प्रकार के सीरम, रेटिनॉल, त्वचा की ऊपरी परत हटाने वाले उत्पाद, तेज अम्ल वाले सीरम या बार-बार पीलिंग करने वाले उत्पादों का इस्तेमाल कर रहा है, तो कुछ समय के लिए इनका उपयोग कम किया जा सकता है। ऐसा करने से त्वचा पर अनावश्यक दबाव कम होता है और किसी उत्पाद से होने वाली एलर्जी या जलन की पहचान भी आसानी से हो जाती है।

हालांकि, त्वचा की मूलभूत देखभाल कभी नहीं छोड़नी चाहिए। इसमें सौम्य क्लेंजर, मॉइस्चराइज़र और सनस्क्रीन का नियमित उपयोग शामिल है। विशेषज्ञों का कहना है कि त्वचा रोजाना धूल, प्रदूषण, धूप की पराबैंगनी किरणों, बदलते मौसम और अन्य पर्यावरणीय प्रभावों का सामना करती है। ऐसे में मॉइस्चराइज़र त्वचा की प्राकृतिक नमी बनाए रखता है,

जबकि सनस्क्रीन हानिकारक किरणों से सुरक्षा प्रदान करता है। यदि इनका उपयोग भी बंद कर दिया जाए तो त्वचा की सुरक्षा परत कमजोर हो सकती है, जिससे रूखापन, मुंहासे, दाग-धब्बे, जलन और समय से पहले झुर्रियां जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

डॉ. दादू का कहना है कि कई बार लोगों को लगता है कि अधिक उत्पाद लगाने से त्वचा खराब हो रही है, जबकि वास्तविक समस्या गलत उत्पादों का चुनाव या ऐसे उत्पादों को एक साथ इस्तेमाल करना होता है, जो आपस में अनुकूल नहीं होते। इसलिए किसी भी नए उत्पाद को अपनाने से पहले त्वचा के प्रकार और उसकी जरूरत को समझना जरूरी है।

किन लोगों को नहीं करनी चाहिए स्किन फास्टिंग

विशेषज्ञों के अनुसार, जिन लोगों का मुंहासों का उपचार चल रहा हो, जिन्हें एक्जिमा, डर्मेटाइटिस, रोसासिया या मेलाज्मा जैसी त्वचा संबंधी बीमारी हो, या जो चिकित्सकीय क्रीम और दवाइयों का उपयोग कर रहे हों, उन्हें स्किन फास्टिंग से बचना चाहिए। इसके अलावा अत्यधिक शुष्क या संवेदनशील त्वचा वाले लोगों तथा हाल ही में लेजर उपचार, रासायनिक पीलिंग या अन्य त्वचा उपचार कराने वालों को भी यह तरीका बिना चिकित्सकीय सलाह के नहीं अपनाना चाहिए। उपचार के दौरान दवाएं या देखभाल रोकने से त्वचा की समस्या और बढ़ सकती है। डॉ. निवेदिता दादू का कहना है कि किसी भी वायरल ट्रेंड को अपनाने से पहले उसकी वैज्ञानिक सच्चाई और अपनी त्वचा की जरूरत को समझना जरूरी है। स्वस्थ और चमकदार त्वचा के लिए नियमित सफाई, मॉइस्चराइज़र, सनस्क्रीन तथा जरूरत पड़ने पर त्वचा विशेषज्ञ की सलाह ही सबसे सुरक्षित और प्रभावी उपाय है।

फुटबॉल का 'किंग' बना स्पेन

अर्जेंटीना से 60 साल पुराना हिसाब भी चुकता किया

फाइनल में अर्जेंटीना को 1-0 से हराया, फेरन टोरेस ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल दागा

जीत का जश्न

एजेंसी, न्यूयॉर्क

स्पेन ने 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। टीम ने न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में 2022 की चैंपियन अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। स्पेन के लिए एक्स्ट्रा टाइम में फेरन टोरेस ने गोल किया। इसी के साथ स्पेन ने 2010 के बाद दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की। तब टीम ने नीदरलैंड को 1-0 से हराया था। मुकाबले के निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें गोल नहीं कर सकीं। पहले हाफ में स्पेन के लामिन यमाल और अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी को गोल करने के मौके मिले, लेकिन दोनों उन्हें भुना नहीं सके। पूरे मैच में स्पेन ने लगातार अटैकिंग खेल दिखाया, जबकि अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने कई शानदार बचाव कर टीम को मुकाबले में बनाए रखा।

स्पेन के युवा प्लेयर लामिन यमाल ने पूरे मुकाबले में अर्जेंटीना की डिफेंस पर लगातार दबाव बनाए रखा। वहीं मेसी ने भी कई बार स्पेन के बॉक्स में घुसने की कोशिश की, लेकिन वे गोल नहीं कर सके। 41वें मिनट में अर्जेंटीना के लिसांद्रो मार्टिनेज और दूसरे हाफ के 52वें मिनट में लिएंड्रो पारेदेस को भी येलो कार्ड दिखाया गया। स्पेन ने इसके साथ ही अर्जेंटीना से 60 साल पुरानी हार का बदला भी ले लिया है। फीफा विश्व कप 1966 के फाइनल में अर्जेंटीना ने स्पेन को 2-1 से हराया था।

ट्रंप ने दी ट्रॉफी

पहले हाफ में स्पेन का दबदबा

मैच की शुरुआत से ही स्पेन ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा। पहले हाफ में उसके पास 64% बॉल पजेशन रहा। टीम ने कई हमले किए। दूसरी ओर अर्जेंटीना पहले हाफ में एक भी शॉट नहीं लगा सकी। हालांकि स्पेन को कोई गोल नहीं मिला।

90 मिनट तक नहीं निकला नतीजा

दूसरे हाफ में भी स्पेन ने लगातार दबाव बनाया। अर्जेंटीना ने डिफेंस मजबूत रखा और गोल होने से रोका। इसका सबसे बड़ा क्रेडिट अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज ने लगातार बचाव किया। इस हाफ में भी गोल नहीं हुआ और मैच एक्स्ट्रा टाइम में पहुंच गया।

मेरिनो ने गंवाया आसान मौका

एक्स्ट्रा टाइम के पहले हाफ में भी स्पेन ने अटैक जारी रखा। 103वें मिनट में निको विलियम्स के शानदार क्रॉस पर मिकेल मेरिनो को आसान हेडर मिला। हालांकि उन्होंने गेंद गोलपोस्ट के बाहर मार दी। यह स्पेन के लिए बढ़त बनाने का बेहतरीन मौका था।

दागा गोल

फेरन टोरेस गोल दागने के बाद

फीफा रिकॉर्ड 100 साल की ओर

2026 के विश्व कप के बाद यह अनोखा रिकॉर्ड लगातार 96 साल तक कायम हो गया है। फुटबॉल इतिहास में अब तक कोई विदेशी कोच अपनी टीम को विश्व चैंपियन नहीं बना सका है। स्पेन की जीत के साथ यह सिलसिला एक बार फिर जारी रहा और अब दुनिया की नजर 2030 विश्व कप पर होगी कि क्या कोई टीम आखिरकार इस रिकॉर्ड को तोड़ पाएगी या नहीं।

अर्जेंटीना को 90+१वें मिनट में बड़ा झटका लगा। मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज ने स्पेन के डिफेंडर पाउ क्यूबार्सी पर टैकल किया, जिसके बाद रेफरी ने उन्हें सीधे रेड कार्ड दिखा दिया। इसके बाद अर्जेंटीना को पूरे एक्स्ट्रा टाइम में 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

रेड कार्ड

स्पेन ने बचाया फाइनल में 100% जीत का रिकॉर्ड

- स्पेन इससे पहले केवल एक बार विश्व कप फाइनल में पहुंचा था और 2010 में नीदरलैंड को हराकर पहली बार चैंपियन बना था। अब 2026 में उसने अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर दूसरी बार विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम कर ली।
- इस जीत के साथ स्पेन ने विश्व कप फाइनल में अपना 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड भी बरकरार रखा। यानी स्पेन अब तक दो विश्व कप फाइनल खेल चुका है और दोनों में चैंपियन बना है। निर्णायक गोल अतिरिक्त समय के 106वें मिनट में फेरान टोरेस ने किया।

फाइनल में कई खास रिकॉर्ड बने

- स्पेन के लामिन यमाल और पाउ कुबार्सी, दोनों 19 साल की उम्र में विश्व कप फाइनल खेलने वाले चुनिंदा किशोर खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए और दोनों विजेता टीम का हिस्सा रहे।
- वहीं 39 साल 25 दिन की उम्र में लियोनेल मेसी विश्व कप फाइनल खेलने वाले सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी बने।
- इसके अलावा मेसी ने अपने करियर का तीसरा विश्व कप फाइनल खेलकर ब्राजील के दिग्गज काफू के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी बनने का गौरव भी हासिल किया।

तीसरे वनडे में इंग्लैंड 27 रन से जीता, सीरीज 2-1 से अपने नाम की

रोहित शर्मा के शतक के बावजूद हारा भारत

एजेंसी, लॉर्ड्स

इंग्लैंड ने तीसरे वनडे में भारत को 27 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। लॉर्ड्स में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 387/3 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 50 ओवर में 360 रन ही बना सकी। रोहित शर्मा ने 138 रन की पारी खेली, लेकिन जीत नहीं दिला सके। इंग्लैंड की जीत के हीरो जैकब बेथेल रहे। उन्होंने 91 रन बनाए और 1 विकेट भी लिया। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत ने पहला मैच 6 विकेट से जीता था। वहीं, दूसरा मुकाबला इंग्लैंड ने 4 विकेट से अपने नाम किया था। इससे पहले इंग्लैंड ने टी-20 सीरीज में भी भारत को 4-0 से हराया था। इंग्लैंड दौरे से पहले आयरलैंड ने भी भारत को टी-20 सीरीज में 2-0 से हराया था।

रोहित ने 111 गेंदों पर 138 रन बनाए

388 रन का पीछा करते हुए भारत के लिए रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल ने पहले विकेट के लिए 147 रन जोड़े। गिल 78 गेंदों में 77 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रोहित ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी की। रोहित ने 111 गेंदों में 138 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 17 चौके और 5 छक्के लगाए। विराट कोहली ने फिफ्टी लगाई। वे 60 बॉल पर 74 रन बनाकर आउट हुए। पारी में 4 चौके और 3 सिक्स लगाए। इंग्लैंड के लिए सैम करन ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

डकेट-बेथेल के बीच 192 रनों की साझेदारी

इससे पहले इंग्लैंड के लिए बेन डकेट ने 135 गेंदों में 141 रन बनाए। जैकब बेथेल ने 91 रन की पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 192 रन जोड़े। बाद में जो रूट 74 और जोस बटलर 41 रन बनाकर नाबाद लौटे। दोनों ने आखिरी 19 गेंदों में 63 रन जोड़कर इंग्लैंड का स्कोर 387/3 तक पहुंचाया। यह भारत के खिलाफ इंग्लैंड का सबसे बड़ा वनडे स्कोर भी है। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने 2 विकेट लिए, जबकि प्रिंस यादव को 1 सफलता मिली।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड	रन	बॉल	4s	6s
बेन कै एंड बो प्रिंस	141	135	18	1
जैकब कै रोहित बरे प्रसिद्ध	91	93	11	2
जो रूट नाबाद	74	48	9	0
हैरी कै विराट बो प्रसिद्ध	14	12	0	0
जोस बटलर नाबाद	41	13	4	3

कुल: 387/3 (50)

गेंदबाजी: अर्शदीप सिंह (10-0-72-0), प्रसिद्ध कृष्णा (10-2-69-2), प्रिंस यादव (10-0-79-1), गुरनूर ब्रार (10-0-97-0), अक्षर पटेल (10-0-61-0)

भारत	रन	बॉल	4s	6s
रोहित शर्मा बोल्ड जैकब	138	110	17	5
शुभमन एलबीडब्ल्यू रशीद	77	84	10	1
विराट कै हैरी बो करन	74	60	4	3
ईशान कै रेहान बो सैम	14	12	1	0
श्रेयस कै रेहान बो सैम	0	3	0	0
लोकेश बोल्ड आर्चर	12	8	2	0
अक्षर कै विल बो सैम	2	3	0	0
गुरनूर ब्रार नाबाद	18	14	1	1
अर्शदीप सिंह नाबाद	15	6	3	0

कुल: 360/7 (50)

गेंदबाजी: जोफ्रा आर्चर (10-0-63-1), गस एटकिंसन (6-0-24-0), जोश टंग (5-1-43-0), सैम करन (10-0-75-4), आदिल रशीद (8-0-64-1), विल जैक्स (4-0-38-0), जैकब बेथेल (7-0-49-1)

---

2 साल बाद कोई खिताब जीता, यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया

सिंधु ने यामागुची को हराकर जीता जापान ओपन का खिताब

टोक्यो। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं। 31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला। सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं। सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं। यह सिंधु के करियर का पहला सुपर-750 खिताब है। 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने के बाद यह उनका सबसे बड़ा इंटरनेशनल खिताब है।

सेमीफाइनल में चेन यू फेई चोटिल होकर बाहर हुई: सेमीफाइनल में चीन की चेन यू फेई हैम्स्ट्रिंग चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गईं। उस समय सिंधु 21-19, 15-10 से आगे थीं। इससे पहले सिंधु ने जापान की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन नोजोमी ओकुहारा चोट के कारण नहीं उतरीं, जिससे सिंधु को वॉकओवर मिला। इससे पहले दूसरे दौर में सिंधु ने चीन की हान यू को 35 मिनट में 21-16, 21-14 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

---

16 अगस्त से शुरू होगी भोपाल लीग फुटबॉल चैंपियनशिप

डीएफए की वार्षिक बैठक में कई अहम फैसले

भोपाल। जिला फुटबॉल एसोसिएशन (डीएफए) भोपाल की वार्षिक बैठक 18 जुलाई को केडीपीएस स्कूल, भोपाल में आयोजित की गई। बैठक में डीएफए के पदाधिकारियों के साथ जिले के सभी पंजीकृत फुटबॉल क्लबों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान जिले में फुटबॉल और फुटसल के विकास को लेकर आगामी सत्र की खेल गतिविधियों, प्रतियोगिताओं और आयोजनों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भोपाल की प्रतिष्ठित भोपाल लीग फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 16 अगस्त से किया जाएगा। प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए पांच सदस्यीय आयोजन समिति का गठन भी किया गया।

भोपाल में 22-23 अगस्त को अखिल भारतीय शूटिंग बॉल प्रतियोगिता

विजेता टीम को मिलेगा एक लाख रुपये का पुरस्कार

भोपाल। राजधानी भोपाल के ओल्ड कैंपियन क्रिकेट ग्राउंड पर 22 और 23 अगस्त 2026 को सांसद अलोक शर्मा ट्रॉफी के तहत दो दिवसीय अखिल भारतीय शूटिंग बॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता के मुख्य आयोजक अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी एवं शूटिंग बॉल के राष्ट्रीय खिलाड़ी सुधीर कुमार प्रसाद ने रविवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि यह देश की सबसे बड़ी शूटिंग बॉल प्रतियोगिताओं में से एक होगी, जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों से पुरुष और महिला वर्ग की 24 टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें 12 टीमें लड़कों की और 12 टीमें लड़कियों की होंगी।

भारत की नजर एफआईएच यूथ हॉकी 5-एस एशियाई चैंपियनशिप में खिताब पर

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय सब-जूनियर पुरुष और महिला हॉकी टीमें उद्घाटन एफआईएच यूथ हॉकी5एस एशियाई चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन के इरादे से मैदान में उतरेंगी। ओमान के मस्कट में 20 से 25 जुलाई तक होने वाला यह टूर्नामेंट उद्घाटन एफआईएच अंडर-18 यूथ हॉकी5एस विश्व कप के लिए एशियाई क्वालीफायर भी होगा। इस प्रतियोगिता में एशिया की उभरती हुई सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेंगी और महाद्वीपीय खिताब के साथ विश्व कप का टिकट हासिल करने के लिए मुकाबला करेंगी।

सरदार सिंह की कोचिंग में उतरेगी पुरुष टीम

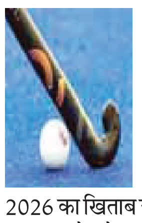

सरदार सिंह के मार्गदर्शन में भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम हाल ही में अंडर-18 एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ टूर्नामेंट में उतर रही है। भारत ने फाइनल में मेजबान जापान को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। टीम को एलीट पूल में मेजबान ओमान, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ रखा गया है।

काजल ढोचक के स्वर्ण पदक सहित भारत ने चौथे दिन जीते चार पदक

बुडापेस्ट (हंगरी)। भारतीय पहलवानों ने पॉलीका इमरे, वर्गा जानोस और कोजमा इस्तवान मेमोरियल 2026 रेसलिंग टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चौथे दिन एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य सहित कुल चार पदक अपने नाम किये। काजल ढोचक ने महिला फ्रीस्टाइल 76 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि अंतिम पंघाल चोट के कारण 53 किग्रा वर्ग के फाइनल से हटने की वजह से रजत पदक से संतोष करना पड़ा। महिला 57 किग्रा वर्ग में नेहा शर्मा ने रजत पदक जीता, जबकि 53 किग्रा वर्ग में निशु ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इस तरह भारत ने बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज के चौथे दिन कुल चार पदक हासिल किए।

मौसमी बीमारियां बारिश के बाद तेज धूप बढ़ा रही बीमारी, अस्पतालों में मरीजों की कतारें

धूल के गुबार से हांफ रहे फेफड़े सूखी खांसी कर रही परेशान

लगातार पनप रहे मच्छर, एसओपी जारी होने के बाद भी प्रयास धीमे

भोपाल (नगर संवाददाता)

शुरू हुई बरसात ने अस्पतालों में रोगियों की अचानक संख्या बढ़ाई है। ऐसा कोई अस्पताल नहीं है, जहां वर्षाजन्य बीमारी से पीड़ित मरीजों की लंबी कतारें न लग रही हों। इधर इस समय जिस डेंगू और मलेरिया को रोकने के लिए अभियान चलना चाहिए, वह ठंडे बस्ते में पड़ा है।

बारिश के बाद तेज धूप बीमारी बढ़ा रही है जो सेहत पर भारी पड़ रही है। अस्पतालों में सूखी खांसी और दमा के सबसे अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। डॉक्टर कहते हैं कि बारिश के बाद धूप में सूखती मिट्टी धूल के गुबार के रूप में बदल रही है। यही धूल के कण फेंफड़ों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। राजधानी में खुदी पड़ी सड़कें भी दिक्कत का कारण बन रही है। वाहन चलाते समय लोग मास्क नहीं लगा रहे हैं। हवा में उड़ रही धूल सेहत को नुकसान पहुंचा रही है। जेपी अस्पताल में हर दिन करीब सवा सौ मरीज सूखी खांसी और दमा संबंधी समस्या लेकर आ रहे हैं। बुखार उल्टी दस्त के भी सबसे ज्याद रोगी बढ़े हैं।

हमीदिया में मरीजों की बढ़ी भीड़

हमीदिया के डॉक्टरों का कहना है कि मच्छर लगातार बढ़ रहे हैं। इस कारण डेंगू और मलेरिया की संभावना ज्यादा बढ़ रही है। रोगियों की जांच कराई जा रही है। अगर किसी में यह लक्षण पाये जाते हैं तो जांच रिपोर्ट आने के बाद ही विधिवत उपचार किया जायेगा।

ठप पड़ा डेंगू रोकने का अभियान

राजधानी में डेंगू रोकने का अभियान ठप पड़ा है। मानसून को कोई आधा माह का समय बीत चुका है, लेकिन एक भी क्षेत्र में डेंगू के लार्वा के रोकथाम की कार्यवाही प्रारंभ नहीं हो पाई है।

इनका कहना

वर्षाजन्य बीमारियों पर नियंत्रण के लिए पहले ही एसओपी जारी की जा चुकी है। डेंगू के संबंध में भी निर्देश जारी किए गए हैं। क्या स्थिति है। इसकी रिपोर्ट मांगी जा रही है।

डॉ. मनीष शर्मा, सीएमएचओ, भोपाल

ई-नगरपालिका पोर्टल पर दर्ज होंगी एमपी की सभी प्रॉपर्टी

चिंहित करने के लिए घर-घर किया जाएगा सर्वे जनगणना के दौरान ही पता लगाएगी सरकार

भोपाल (नगर संवाददाता)

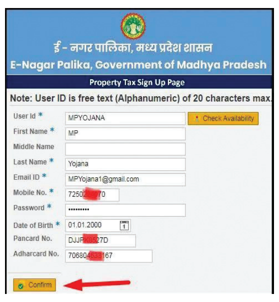

मध्यप्रदेश की सभी प्राइवेट संपत्तियों को अब ई-नगरपालिका पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। इसके लिए जनगणना के दौरान ही प्रगणक (एन्यूमरेटर) घर-घर जाकर सभी संपत्तियों का सर्वे करेंगी। सर्वे के बाद चिंहित की गई संपत्तियों का स्थानीय निकायों के रिकार्ड से मिलान किया जाएगा। अगर संपत्ति पर टैक्स नहीं लग रहा है तो इसे टैक्स के दायरे में लाया जाएगा। इससे स्थानीय निकायों को शत-प्रतिशत टैक्स मिल सकेगा।

दरअसल मध्यप्रदेश की नगर निगमों समेत नगर पालिका का सबसे बड़ा आय का स्त्रोत संपत्तिकर और जलकर है। लेकिन प्रदेश की सभी 413 निकायों में 60 से 70 प्रतिशत संपत्तियों के खाते हैं और इन्हीं से कर वसूला जा रहा है। अब छूटी हुई संपत्तियों को कर के दायरे में लाने के लिए मध्यप्रदेश सरकार जनगणना के साथ विशेष टैक्स सर्वे कराएगी। इसके तहत प्रगणक (एन्यूमरेटर) घर-घर जाकर मकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का सर्वे करेंगे। इसके लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने सभी कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इस आदेश में कहा गया है कि जनगणना के दौरान एकत्र हो रहे आंकड़ों का उपयोग कर छूटी हुई संपत्तियों, नए निर्माणों और जल कनेक्शनों का रिकार्ड ई-नगरपालिका पर अपडेट करें।

वन प्रधान क्षेत्रों में आजीविका सशक्तिकरण की नई पहल

भोपाल। वन प्रधान क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं को आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में दक्षिण सागर वनमंडल ने उल्लेखनीय पहल की है। मुख्य वन संरक्षक श्री सागर एवं श्री रिपुदमन सिंह के मार्गदर्शन में दक्षिण सागर वनमंडल द्वारा टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के सहयोग से रोजगार एवं कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए गए, जिनके माध्यम से 200 से अधिक युवाओं को नौकरी उपलब्ध कराई गई है, साथ ही सैकड़ों युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण से जोड़ा जा चुका है। वनांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने के लिए वनमंडल की सभी रेंजों में पूर्व प्रशिक्षण जागरूकता एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में लगभग 1,600 युवाओं ने भाग लेकर रोजगार एवं कौशल विकास योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

पदोन्नतियों के बाद नया संकट

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को सीपीसीटी अनिवार्य

पीएचई में पहले सीपीसीटी प्रमाण मांगा, अभिमत के लिए जीएडी को लिखा पत्र

भोपाल। प्रदेश में लिपिक पद पर प्रमोशन पा चुके चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए नई मुसीबत खड़ी हो गई है। सरकार ने इनके लिए परीक्षा का दौर शुरू कर दिया है। जो पदोन्नति का चुके हैं। उनके लिए सीपीसीटी का प्रावधान कर दिया गया है। यानी की पदोन्नति होने के बाद कंप्यूटर दक्षता परीक्षा आयोजित करनी होगी। यह परीक्षा पास होने के बाद इनका सेवाकाल सुरक्षित रह पाएगा। इस संदर्भ में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आदेश जारी किए हैं। जीएडी द्वारा आदेश में कहा है कि जितने भी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को प्रमोशन मिला हैं। उन्हें मान्यता प्राप्त संस्था से कंप्यूटर दक्षता परीक्षा पास करनी होगी। इसके लिए पांच साल का समय निर्धारित किया गया है। पीएचई विभाग में तो शर्त यह रखी गई है कि पहले शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संस्था से सीपीसीटी का प्रमाण पत्र लाया जाए। उसके बाद ही चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पदोन्नत पद पर काम कर पाएंगे।

यहां दो साल की अवधि भी मान्य नहीं की जा रही है। विभाग के मुख्य अभियंता ने इस संदर्भ में सामान्य प्रशासन विभाग से अभिमत मांगा है। अब वे कर्मचारी परेशान है। जिन्हें पदोन्नतियों से नवाजा गया है। कर्मचारियों ने पक्ष रखा कि जब दो साल की अवधि है तो आखिर वह पदोन्नत पद पर काम कैसे नहीं कर सकते । इसमें तर्क दिया जा रहा है कि अभिमत में जीएडी का जो जवाब आएगा। उसी के अनुसार ही निर्णय लिया जाएगा।

बड़े पैमाने पर हुए हैं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के प्रमोशन

इस बार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर प्रमोशन दिए हैं पर परीक्षा पास करने की शर्त ने इन्हें परेशान कर रखा है। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश में स्पष्ट है कि ऐसे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जो सहायक ग्रेड 3 के पद पर नियुक्ति की योग्यता रखते हैं। उनको उक्त पद पर न्यूनतम 2 वर्ष की परीक्षा अवधि पर इस शर्त के साथ नियुक्ति दी जाएगी कि इस अवधि में उन्हें मान्यता प्राप्त बोर्ड से हिंदी मुद्रा लेखन की परीक्षा उत्तीर्ण करना होगी। किसी संस्था से कंप्यूटर परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। यदि कोई उक्त परीक्षा उत्तीर्ण नहीं करता है, तो उसकी परीवीक्षा अवधि आगे 3 वर्ष तक बढ़ाई जा सकेगी।

कैबिनेट ने नौ विधेयकों को दी मंजूरी, विधानसभा के मानसून सत्र में होंगे पेश

मेडिकल यूनिवर्सिटी के दो हिस्से होंगे, ऊंचे भवनों के लिए फायर एनओसी अनिवार्य

प्रदेश में 73 स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन के लिए 898.96 करोड़ की स्वीकृति

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अध्यक्षता में गौंड वंश के दुर्ग जगदीशपुर के चमन महल में हुई कैबिनेट की बैठक में यूसीसी समेत एक साथ नौ विधेयकों को मंजूरी दी गई। इन विधेयकों को विधानसभा के मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। कैबिनेट के एक अन्य निर्णय में प्रदेश के 73 अस्पतालों के उन्नयन को भी मंजूरी दी गई। इस कार्य के लिए 898 करोड़ 96 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। कैबिनेट ने मप्र ईज ऑफ डूइंग बिजनेस विधेयक-2026 को मंजूरी दी। इसमें कारोबार और निवेश से जुड़ी स्वीकृतियों को एक छत के नीचे लाने की व्यवस्था की गई है। विभिन्न विभागों की मंजूरियों का समन्वित और समयबद्ध निपटारा होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति सुधारों के क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।

कैबिनेट ने मप्र आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक-2026 और मप्र धन्वंतरि स्वास्थ्य विश्वविद्यालय विधेयक-2026 को मंजूरी दी है। इसमें एक मेडिकल यूनिवर्सिटी को तोड़कर दो हिस्सों में विभाजित किया गया है। जबलपुर स्थित विश्वविद्यालय को विकसित कर एम्स की तर्ज पर विस्तार किया जाएगा। मेडिकल, नर्सिंग और पैरामेडिकल परीक्षाओं के संचालन में आने वाली दिक्कतें कम होंगी।

बैठक में मप्र अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं विधेयक, 2026 को स्वीकृति दी गई। इसमें विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय और आधुनिक आपातकालीन व्यवस्था पर जोर दिया गया है। आग से बचाव और त्वरित राहत व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। 15 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले स्कूल, अस्पताल, मॉल, होटल और औद्योगिक इकाइयों के लिए अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र (फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट) अनिवार्य होगा। बिना फायर सेफ्टी प्रमाणपत्र के किसी भी भवन को अधिभोग प्रमाणपत्र (ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट) जारी नहीं किया जाएगा। अग्निशमन सेवाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। नए फायर स्टेशन बनाने के साथ दस मिनट के भीतर फायर ब्रिगेड घटनास्थल पर पहुंचे, यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था बनाई जाएगी।

निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक-2026

निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक-2026 को भी बैठक में मंजूरी दी गई है। इसमें निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना और संचालन से जुड़े प्रावधानों में संशोधन किया गया है। साथ ही उच्च शिक्षा क्षेत्र में निवेश और संस्थानों के विस्तार का रास्ता आसान होगा। इसके तहत सरकार ने अब भूमि और एंडोमेंट फंड की अनिवार्यता समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है।

राजमार्ग कानून में संशोधन : कैबिनेट ने मप्र राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2026 का अनुमोदन किया है। इसके तहत अंग्रेजों के समय के पुराने और अप्रासंगिक प्रावधानों को हटाया जाएगा। आधुनिक जरूरतों के अनुरूप नया राजमार्ग कानून लागू होगा।

छह पुराने श्रम कानून समाप्त होंगे

बैठक में मप्र कोड ऑन एम्पावरिंग वर्कस्पेसेज, 2026 (मप्र श्रम शक्ति संहिता 2026) का अनुमोदन को स्वीकृति दी हैं। इसके तहत उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए संशोधन किया गया है। इसके तहत राज्य के छह पुराने श्रम कानून समाप्त कर एकीकृत कानून लागू किया जाएगा। थिएटर, रेस्टोरेंट और अन्य प्रतिष्ठानों को 24 गुना 7 संचालन, तीन शिफ्ट में काम की व्यवस्था और नए प्रतिष्ठानों के पंजीयन में इंस्पेक्टर सत्यापन की अनिवार्यता समाप्त करने का प्रस्ताव है।

मप्र निरसन विधेयक, 2026 का अनुमोदन

कैबिनेट ने मप्र निरसन विधेयक, 2026 का अनुमोदन किया। इसके साथ ही विधेयक को विधानसभा में पुनःस्थापित कर पारित कराने एवं समस्त आवश्यक कार्यवाही करने के लिए विधि और विधायी कार्य विभाग को अधिकृत किया गया।

विधेयक में राम, रहीम रविंदर और रॉबिन सब एक समान हैं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यूसीसी विधेयक की जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रस्तावित कोड भारत के संविधान में निहित एकसमानता, बराबरी, न्याय और धर्मनिरपेक्षता के विज़न को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यूसीसी विधेयक में राम, रहीम, रविंदर और रॉबिन सब एक समान हैं। इस संहिता का मुख्य मकसद पर्सनल कानूनों के तहत महिलाओं के साथ होने वाले पुराने भेदभाव को खत्म करना, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना और उन्हें सशक्त बनाना है। पुरुषों और महिलाओं को समान अधिकार देने के साथ-साथ यह कोड उन धार्मिक रीति-रिवाजों और पारंपरिक प्रथाओं की साफ तौर पर सुरक्षा करता है, जो सार्वजनिक नैतिकता और नीति के अनुरूप हैं। उन्होंने कहा कि 80 प्रतिशत से ज्यादा मुस्लिम महिलाओं और 40 प्रतिशत से ज्यादा मुस्लिम पुरुषों ने यूसीसी कानून लागू करने का समर्थन किया है। यह कोड उत्तराखंड (2024), गुजरात (2026) और असम (2026) के यूनिफॉर्म सिविल कोड के गहन अध्ययन और उनके मार्गदर्शन से तैयार किया गया है।

दर्दनाक हादसा : 3 साल की मासूम को स्कॉर्पियो कार ने कुचला, मौत

करीब 20 फीट तक वाहन के नीचे फंसी बच्ची घिसटती रही

भोपाल (नगर संवाददाता)

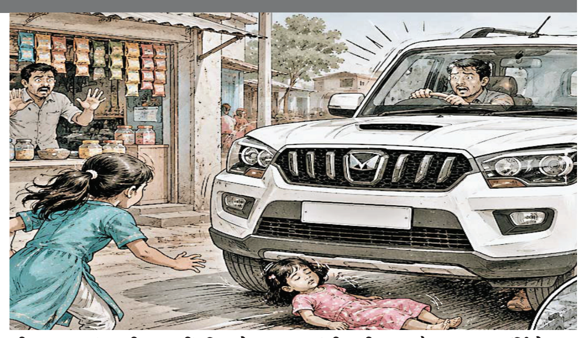

राजधानी के बैरसिया थाना क्षेत्र के ललरिया गांव में रविवार दोपहर हुए दर्दनाक हादसे में तीन साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। दुकान से लौटते समय सड़क पर बैठी बच्ची को स्कॉर्पियो चालक नहीं देख पाया और वाहन आगे बढ़ गया। हादसे की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान जूना खान (3) के रूप में हुई है। वह ललरिया गांव निवासी शिक्षक दंपती सोहेल खान की बेटी थी। उसके पिता और मां दोनों सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं। हादसे के बाद परिवार और पूरे गांव में शोक का माहौल है।

जानकारी के मुताबिक, जूना अपनी बड़ी बहन के साथ घर के पास स्थित दुकान पर सामान लेने गई थी। मनपसंद चीज नहीं मिलने पर वह नाराज हो गई और लौटते समय गुस्से में सड़क पर बैठ गई। उसकी बड़ी बहन आगे निकल गई, जबकि जूना सड़क पर ही रह गई। इसी दौरान उसके सामने खड़ी सफेद स्कॉर्पियो अचानक आगे बढ़ी। चालक को सड़क पर बैठी बच्ची दिखाई नहीं दी। वाहन के आगे बढ़ते ही बच्ची उसके नीचे फंस गई और करीब 20 फीट तक वाहन के नीचे फंसी रही। इसके बाद स्कॉर्पियो का पिछला पहिया उसके ऊपर से गुजर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों की सूचना पर बैरसिया थाना पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाहन चालक जाकिर पिता कल्लू की पहचान कर ली है।

इंजीनियरिंग छात्रा ने फांसी लगाई

भोपाल। कमला नगर में इंजीनियरिंग की एक छात्रा ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को घर से आत्महत्या से पूर्व लिखा गया पत्र मिला है। जिसके आधार पर छात्रा के अवसाद से घिरे होने की प्राथमिक जानकारी सामने आ रही है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार घटना कोटरा सुल्तानाबाद इलाके में हुई थी। यहां 19 वर्षीय अंजली राय रहती थी। उसने इसी साल निजी कॉलेज में इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था। पिता देवनाथ नाय शिक्षक हैं। जबकि मां गृहिणी हैं। उसके एक भाई और बहन भी हैं। फंदे पर लटके हुए पिता ने देखा था। कमरे की तलाशी में एक सुसाइड नोट मिला। जिसमें उसने पढ़ाई और जीवन से तंग आकर आत्महत्या का कारण लिखा है। पुलिस ने उसे जांच के लिए जब्त कर लिया है। कमला नगर पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

नशा माफिया ने मिलकर लायसेंसी शराब दुकान लूटी, मुंशी और प्रबंधक से मारपीट

- क्षेत्र में अवैध तरीके से कच्ची शराब बनाकर खपाते हैं आरोपी
- वारदात के बाद तमाशबीन कई अन्य लोग भी माल समेटकर भागे, केस दर्ज

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी के देहात क्षेत्र में स्थित गुनगा इलाके में हथियारों से लैस आधा दर्जन युवकों ने सरकार की लायसेंसी दुकान लूट ली। वारदात करने वाले बदमाश अवैध तरीके से कच्ची शराब बेचने का काम करते हैं। दुकान के खुलने से उनका कारोबार प्रभावित हो रहा था। पुलिस ने वारदात में शामिल एक आरोपी को दबोच लिया है। जबकि उनके पांच अन्य साथियों की तलाश है।

जानकारी के अनुसार जब बदमाश वारदात को अंजाम देने के बाद भागे तो वहां मौजूद कई अन्य तमाशबीन ने भी जाकर शराब दुकान से अपने-अपने पसंद की शराब बोतले उठाकर ले भागे। पुलिस को प्राथमिक जांच में गल्ले से पंद्रह हजार रुपए और एक लाख रुपए की शराब लूटने की जानकारी दी गई है।

दुकान में निगरानी के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे पुलिस को बंद मिले हैं। पुलिस के अनुसार वारदात धमर्रा गांव की तरफ जाने वाली रोड पर हुई है। घटना शुक्रवार सुबह दस बजे अंजाम दी गई। जिसमें पुलिस की तरफ से शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात लगभग एक बजे प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस ने 50 वर्षीय विजय सिंह चौकसे की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। वे शराब दुकान में मुंशी का काम करते हैं। वे मूलतः गुना जिले के केंट थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।

वाहन से आए थे आरोपी

आरोपी दो पहिया वाहनों से आए थे। जिसमें निरपत बिजौरी, जगदीश कंजर, नरेश कंजर और उनके साथियों के नाम सामने आए हैं। निरपत बिजोरी सीहोर जिले के सोनकच्छ का रहने वाला है। पुलिस के सामने जो नाम सामने आए हैं वे सभी अवैध तरीके से कच्ची शराब बेचने का काम करते हैं। शराब दुकान के कारण उनका अवैध शराब का कारोबार प्रभावित हो रहा था। दुकान मालिक की तरफ से इलाके में अवैध शराब बेचने को लेकर कुछ दिन पहले इसी गिरोह के साथ विवाद भी हुआ था। आरोपियों ने लाठी-डंडे से हमला करके माल लूट लिया। उसके बाद अपनी मोटर साइकिल में अंग्रेजी शराब की बोतल भी लेकर भाग गए। पुलिस ने रविवार को वारदात में शामिल जगदीश बिजोरी को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रदेश के बांधवगढ़, कान्हा और पेंच में बाघों की सुरक्षा होगी हाईटेक

लगातार हो रही बाघों की मौत के बाद एआई तकनीक का होगा उपयोग, पहले चरण में बांधवगढ़, कान्हा और पेंच टाइगर रिजर्व में लागू होगी परियोजना

पन्ना टाइगर रिजर्व में फिर मिला एक नर बाघ का शव

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश में लगातार हो रही बाघों की मौत ने वन विभाग की चिंता बढ़ा दी है। हाल ही में पन्ना टाइगर रिजर्व में एक और नर बाघ का शव मिलने के बाद बाघ संरक्षण व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश के प्रमुख टाइगर रिजर्व में अब बाघों की निगरानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित तकनीक से की जाएगी।

नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) ने शिकार और बाघों के अंगों की तस्करी रोकने के लिए

आधुनिक एंटी-पोचिंग सिस्टम, स्मार्ट कैमरा नेटवर्क और एआई आधारित मॉनिटरिंग को आवश्यक बताया है। पहले चरण में बांधवगढ़, कान्हा और पेंच टाइगर रिजर्व में यह परियोजना लागू की जाएगी।

पिछले पांच वर्षों में बाघों की मौत

वर्ष	मौतें
2021	41
2022	34
2023	43
2024	46
2025	55

राज्य में वर्तमान में लगभग 785 बाघ हैं। नई व्यवस्था के तहत कैमरा ट्रैप, स्मार्ट सेंसर, ड्रोन और अन्य उपकरणों से मिलने वाले डेटा का एआई रियल-टाइम विश्लेषण करेगा। किसी भी संदिग्ध गतिविधि का पता चलते ही वन विभाग को तुरंत अलर्ट मिलेगा, जिससे शिकार और अन्य खतरों पर समय रहते कार्रवाई की जा सकेगी। अधिकारियों का कहना है कि इससे बाघों के साथ-साथ पूरे जंगल और वन संसाधनों की निगरानी अधिक प्रभावी होगी।

इस बार बाघ गणना की भी हुई है डिजिटल मॉनिटरिंग

इस बार वन विभाग ने बाघ गणना में भी हाईटेक तकनीक का उपयोग किया है। फील्ड सर्वे का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है और इस बार मोबाइल एप तथा कैमरा ट्रैप के माध्यम से डिजिटल मॉनिटरिंग की गई है। हालांकि लगातार हो रही बाघों की मौत का असर आगामी गणना के अंतिम आंकड़ों पर पड़ सकता है। मध्यप्रदेश में वर्ष 2022 की अखिल भारतीय बाघ गणना में 785 बाघ दर्ज किए गए थे। अगली बाघ गणना के परिणाम जुलाई 2027 में जारी होने हैं।

ढाई साल में 139 बाघों की मौत हो चुकी है

प्रदेश में पिछले ढाई वर्षों के दौरान 139 बाघों की मौत हो चुकी है। इनमें अधिकांश मौतें टाइगर रिजर्व के भीतर हुई हैं। हाल ही में कान्हा टाइगर रिजर्व में कैनाइन वायरस संक्रमण से सात बाघों की मौत ने भी वन्यजीव संरक्षण को लेकर चिंता बढ़ाई थी। विशेषज्ञों का मानना है कि प्राकृतिक कारणों के साथ-साथ आपसी संघर्ष, बीमारी और अन्य जोखिमों की समय रहते पहचान के लिए तकनीक आधारित निगरानी जरूरी हो गई है।

पन्ना टाइगर रिजर्व में मिला एक और बाघ का शव

पन्ना टाइगर रिजर्व की किशनगढ़ कोर रेंज के ब्रजपुरा बीट (क्र-506) में नियमित पैदल गश्त के दौरान एक नर बाघ का शव मिला। अधिकारियों के अनुसार बाघ के शरीर के सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं और प्रारंभिक जांच में मौत प्राकृतिक प्रतीत हो रही है। मौत के वास्तविक कारण का पता पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच के बाद चलेगा। एनटीसीए के निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार डॉग स्क्वाड से मौके की तलाशी ली गई है तथा पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया भी उसी प्रोटोकॉल के तहत पूरी की जा रही है।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी-2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।